साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 284 | जौनपुर, गुरूवार, 11 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

आगरा एक्सप्रेसवे पर बस हादसे में अब तक 18 लोगों की मौत

लखनऊ, संवाददाता। आगरा एक्सप्रेसवे पर उन्नाव में बुधवार सुबह जो डबलडेकर बस हादसे की शिकार हुई, वह रोजाना बिहार से दिल्ली के बीच सड़क पर काल बनकर दौड़ती थी। परिवहन विभाग और पुलिस की मिलीभगत से बस बगैर परमिट व फिटनेस के करीब 1300 किमी. चल रही थी। इस बीच 16 आरटीओ कार्यालयों के क्षेत्र से बस रोज गुजरती थी, पर किसी भी अफसर ने संजीदगी नहीं दिखाई। बुधवार को आगरा एक्सप्रेसवे पर डबलडेकर बस हादसे में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई घायल हैं। बस संख्या यूपी 95 टी 4720 बिहार के मोतिहारी से दिल्ली के बीच आगरा एक्सप्रेसवे के रास्ते चलती थी। बस की फिटनेस एक जनवरी, 2021 को ही खत्म हो चुकी है। टैक्स भी 30 नवंबर, 2023 तक ही जमा था, वहीं इंश्योरेंस इसी साल दो फरवरी व परमिट भी खत्म हो गया है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब बस की फिटनेस, परमिट आदि नहीं था तो चेकिंग अधिकारियों ने बस पर कार्रवाई क्यों नहीं की। इससे यह साफ होता है कि अफसरों व पुलिस की मिलीभगत से यह बस सड़क पर दौड़ रही थी।

डबलडेकर बस बिहार से दिल्ली के बीच कुल 16 आरटीओ कार्यालयों के क्षेत्र से गुजरी, पर फिटनेस, इंश्योरेंस, टैक्स बकाया होने के बावजूद कहीं कोई कार्रवाई नहीं हुई। कुशीनगर, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, अयोध्या, बाराबंकी, लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कन्नौज, फिरोजाबाद, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, नोएडा और गाजियाबाद आरटीओ से बस गुजरती थी।

आने वाले चार दिनों में प्रदेश में होगी भारी बारिश

लखनऊ, संवाददाता। अगले तीन से चार दिनों तक प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में भारी से अत्यधिक बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने 11 से 13 जुलाई के बीच पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग अलग इलाकों में गरज चमक के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग की मानें तो पिछले कुछ दिनों से धीमी चाल में रहा मानसून अब पूरे प्रदेश में छा गया है। बुधवार को वाराणसी में 60 मिमी, कानपुर में 35.3 मिमी. बारिश दर्ज की गई। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक मानसून ट्रफ के उत्तर की ओर अपनी सामान्य स्थिति पर खिसकने की वजह से बारिश की तीव्रता व क्षेत्रफल में बढ़ोतरी के संकेत हैं। प्रदेश के ज्यादातर शहरों में दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहा। झांसी 38.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा जो सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक रहा। वहीं प्रयागराज में 38 डिग्री और वाराणसी में अधिकतम 37.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सीएम योगी ने 7720 लेखपालों को वितरित किए नियुक्तिपत्र

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार युवाओं के रोजगार के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। युवाओं को रोजगार व नौकरी प्राप्त हो यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन व प्रतिबद्धता का हिस्सा है। विगत 07 वर्षों में युवाओं की योग्यता तथा क्षमता के अनुरूप, पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ तथा आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। परिणाम स्वरूप प्रदेश सरकार को 06 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान करने का अवसर प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री जी आज यहां लोक भवन में मिशन रोजगार के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया द्वारा चयनित 7,720 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने 21 नव चयनित लेखपालों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इतने कम समय में तथा इतनी बड़ी संख्या में युवाओं की नियुक्ति पहले कभी देखने को नहीं मिली। अधियाचन से लेकर नियुक्ति पत्र वितरण की इस पूरी

प्रक्रिया तथा जिला आवंटन तक किसी को सिफारिश कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी। युवाओं में इस व्यवस्था के प्रति विश्वास है। युवाओं का यह विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रदेश सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी ताकत लगा रही है। हम इन युवाओं के माध्यम से प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर कर, देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित कर सकेंगे। आज अलग–अलग क्षेत्रों से जुड़े हुए, यह सभी युवा प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। यह सभी युवा प्रदेश के विभिन्न भर्ती बोर्डों/आयोगों के माध्यम से चयनित किए गए हैं। प्रदेश में 1,55,000 से अधिक पुलिस कार्मिकों तथा 1,54,000 से अधिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया गया। अन्य विभागों में भी नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया गया।

मुख्यमंत्री जी ने राजस्व विभाग में लेखपाल के पद पर नव चयनित अभ्यर्थियों तथा उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि 7,720 नव चयनित युवाओं को उनकी आकांक्षा के अनुरूप, राजस्व विभाग में लेखपाल के पद हेतु नियुक्ति पत्र वितरित किये जा रहे हैं। यह कार्यक्रम प्रदेश के मंडलीय मुख्यालयों पर भी लाइव प्रदर्शित किया जा रहा है। राजस्व विभाग अत्यन्त महत्वपूर्ण विभाग है। इस विभाग के कार्मिक के रूप में जनता की सेवा के लिए लेखपाल की भूमिका बहुत महत्व रखती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आप सभी को बिना किसी भेदभाव व सिफारिश के नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ है। इसलिए आपकी जिम्मेदारी बनती है कि गरीब व जरूरतमंद व्यक्तियों की ईज ऑफ लिविंग के लिए आपके स्तर पर बड़े व अच्छे कार्य किये जाएं। इन कार्यों से अपनी पहचान बनायें व स्वयं को स्थापित करें, सरकार आपसे यही अपेक्षा रखती है। गरीब व्यक्तियों के उत्थान में आपकी प्रतिभा व ऊर्जा लगे। प्रदेश में निवेश की सम्भावनाओं में आपका सकारात्मक सहयोग हो। प्रदेश में आय, जाति तथा निवास आदि प्रमाण पत्रों को निर्धारित समय सीमा में आम जनमानस व युवाओं को प्रदान करने में सहयोग करें।

उन्नाव में हुए एक्सीडेंट पर राष्ट्रपति मुर्मू ने जताया दुख

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक डबल डेकर बस के दूध के टैंकर से टकरा जाने से 18 लोगों की मौत हो गई, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए इसे श्बेहद दुखदश बताया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर हुई सड़क दुर्घटना में कई लोगों की मौत की खबर अत्यंत दुखद है। राष्ट्रपति ने इस दुखद दुर्घटना में मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। बयान में कहा गया, मैं इस आकस्मिक मृत्यु के शिकार हुए लोगों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर एक डबल डेकर स्लीपर बस के दूध के कंटेनर से टकरा जाने से 18 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह हादसा सुबह 5:15 बजे हुआ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है और जिला प्रशासन को घायलों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है।

एक्स पर सीएम आदित्यनाथ ने कहा, उन्नाव जिले में सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचने और राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। मैं प्रभु श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। डबल डेकर स्लीपर बस बिहार के मोतिहारी से दिल्ली जा रही थी, तभी बेहटामुजावर थाना क्षेत्र के गढ़ा गांव के पास आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर उसने दूध के टैंकर को पीछे से टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलने पर बांगरमऊ के क्षेत्राधिकारी अरविंद के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। इस बीच, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी घायलों से मिलने उन्नाव के अस्पताल पहुंचे। उपमुख्यमंत्री ने घायलों को उचित उपचार का आश्वासन दिया।

हमने जो वादा किया था उसे पूरा किया – सीएम धामी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पहली बार समान नागरिक संहिता को उत्तराखंड में लागू करने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को दिल्ली में एक समारोह में सम्मानित किया गया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में यूसीसी (समान नागरिक संहिता) विधेयक पारित हो गया और राष्ट्रपति ने इस पर अपनी सहमति दे दी। उन्होंने कहा कि यह उत्तराखंड की जनता का सम्मान है, जिन्होंने हमें यूसीसी पास करने का अवसर दिया, हमें सत्ता में आने का अवसर दिया। हमने उनसे जो वादा किया था उसे पूरा किया। यह मेरा नहीं बल्कि उत्तराखंड की जनता का सम्मान है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राज्य के यूसीसी विधेयक, 2024 को मंजूरी देने के बाद उत्तराखंड अब स्वतंत्र भारत में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) अधिनियम बनाने वाला पहला राज्य बन गया है। आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखने वाले

इस विधेयक में हलाला, इद्दत और तलाक (मुस्लिम पर्सनल लॉ में विवाह और तलाक से संबंधित रीति–रिवाज) जैसी प्रथाओं पर पूर्ण प्रतिबंध है। राज्य विधानसभा ने 07 फरवरी, 2024 को विधेयक पारित किया है जो यह सुनिश्चित करता है कि महिलाओं को संपत्ति और विरासत अधिकारों से संबंधित मामलों में समान अधिकार दिए जाएं। समान नागरिक संहिता विवाह, तलाक, संपत्ति की विरासत आदि के लिए एक सामान्य कानून लाती है, जो पहले हर धर्म के व्यक्तिगत कानूनों द्वारा शासित होते थे। सामान्य संहिता द्विविवाह (एक व्यक्ति से कानूनी तौर पर दूसरे व्यक्ति से विवाह करते हुए भी विवाह करना) और बहुविवाह (एक साथ कई पति–पत्नी रखना) पर रोक लगाती है। उत्तराखंड सरकार ने साफ कर दिया है कि अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय के सदस्य समान नागरिक संहिता के दायरे से बाहर रहेंगे। यूसीसी भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 के साथ पढ़े गए अनुच्छेद 366 के खंड (25) के अर्थ के अंतर्गत किसी भी अनुसूचित जनजाति के सदस्यों और उन व्यक्तियों और व्यक्तियों के समूह पर लागू नहीं होगा।

बीजेपी की है शिक्षा विरोधी मानसिकता – राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के युवा बेरोजगारी से पूरी तरह हतोत्साहित हो गए हैं और दावा किया कि भाजपा की शिक्षा विरोधी मानसिकता के कारण उनका भविष्य अध्यक्ष में है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख की टिप्पणी एक मीडिया रिपोर्ट पर आई है, जिसमें दावा किया गया है कि 2024 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) से स्नातक होने वाले इंजीनियरों के वेतन में नियुक्ति में मंदी के कारण गिरावट आई है। गांधी ने अपने व्हाट्सअप चौनल पर कहा कि आर्थिक मंदी का दुष्परिणाम अब देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईटी को भी भुगतना पड़ रहा है। आईआईटी से प्लेसमेंट में लगातार गिरावट और वार्षिक पैकेज में गिरावट से युवाओं की हालत और खराब हो रही है, जो बेरोजगारी के चरम का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 2022 में 19: छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट नहीं मिल सका और यही दर इस साल दोगुनी होकर 38: हो गई। गांधी ने कहा कि जब देश के सबसे प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों का यह हाल है तो बाकी संस्थानों की क्या दुर्दशा होगी। आज युवा बेरोजगारी से पूरी तरह हतोत्साहित है – माता–पिता पेशेवर शिक्षा प्राप्त करने के लिए लाखों खर्च कर रहे हैं, जबकि छात्र उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

देश में डेंगू के बढ़ते मामलों पर केंद्र अलर्ट - स्वास्थ्य मंत्री नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने देश भर में डेंगू की स्थिति की समीक्षा करने और मानसून की शुरुआत और वृद्धि को देखते हुए डेंगू की रोकथाम और प्रबंधन के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को देश भर में डेंगू की स्थिति और मंत्रालय की तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। यह बताया गया कि केंद्रित, समयबद्ध और सहयोगात्मक गतिविधियों के परिणामस्वरूप डेंगू मामले की मृत्यु दर 3.3: (1996) से घटकर 2024 में 0.1: हो गई है। मानसून की शुरुआत से उत्पन्न चुनौती और बरसात के मौसम के दौरान डेंगू के मामलों की संख्या बढ़ने के खतरे को रेखांकित करते हुए, नड्डा ने डेंगू के खिलाफ तैयार रहने के महत्व पर जोर दिया। से आग्रह किया कि वे मुख्य रूप से उच्च बोझ वाले राज्यों और क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें जहां अक्सर प्रकोप की सूचना मिलती है। उन्होंने अधि

उन्होंने अधिकारियों को डेंगू के खिलाफ रोकथाम, रोकथाम और प्रबंधन उपायों को मजबूत करने और मजबूत करने का निर्देश दिया। नड्डा ने अधिकारियों ाकारियों से डेंगू की रोकथाम पर ठोस परिणाम लाने के लिए राज्यों के साथ सक्रिय रूप से काम करने का आग्रह किया।

नीतीश के जैसा कमजोर मुख्यमंत्री कोई नहीं – तेजस्वी

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक कार्यक्रम में इंजीनियर के हाथ जोड़ने और पैर छूने की कोशिश किए जाने पर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने जोरदार निशाना साधा है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि पूरे विश्व में इतना असहाय, अशक्त, अमान्य, अक्षम, विवश, बेबस, लाचार और मजबूर कोई मुख्यमंत्री नहीं होगा, जो बीडीओ, एसडीओ, थानेदार से लेकर वरीय अधिकारियों और यहां तक कि संवेदक के निजी कर्मचारी के सामने बात–बात पर हाथ जोड़ने और पैर पड़ने की बात करता हो। बिहार में बढ़ते अपराध ा, बेलगाम भ्रष्टाचार, पलायन एवं प्रशासनिक अराजकता का मुख्य कारण यह है कि एक कर्मचारी तक (अधिकारी तो छोड़िए) मुख्यमंत्री की नहीं सुनता। क्यों नहीं सुनता और क्यों नहीं आदेशों का पालन करता, यह विचारणीय विषय है। हालांकि, इसमें कर्मचारी और अधिकारियों का अधिक दोष भी नहीं है। एक कमजोर, बेबस मुख्यमंत्री के कारण बिहार में होना वही है, जो चंद सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों ने ठाना है क्योंकि अधिकारी भी जानते हैं कि ये 43 सीट वाली तीसरे नंबर की पार्टी के मुख्यमंत्री हैं। जब शासन में इकबाल खत्म हो जाए और शासक में आत्मविश्वास ना रहे तब उसे सिद्धांत, जमीर और विचार किनारे रखकर ऊपर से लेकर नीचे तक बात–बात पर ऐसे ही पैर पड़ना पड़ता है। हमें कुर्सी की नहीं बल्कि बिहार और 14 करोड़ बिहारवासियों के वर्तमान और भविष्य की चिंता है।

अयोध्या में बाहरी लोगों को जमीन बेची गई, अरबों रुपये का घोटाला हुआ – अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को अयोध्या में बाहरी लोगों को जमीन की कथित बिक्री को लेकर भाजपा

सरकार पर हमला किया और अरबों रुपये के भूमि घोटाले का दावा किया। उन्होंने इन भूमि सौदों की गहन जांच की भी मांग की। उन्होंने एक एक्स पोस्ट में लिखा कि जैसे–जैसे अयोध्या की जमीन के सौदों का भंडाफोड़ हो रहा है, उससे ये सच सामने आ रहा है कि भाजपा राज में अयोध्या के बाहर के लोगों ने मुनाफा कमाने के लिए बड़े स्तर पर जमीन की खरीद–फरोख्त की है। सपा नेना ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पिछले 7 सालों से सर्किल रेट न बढ़ाना, स्थानीय लोगों के खिलाफ एक आर्थिक षड्यंत्र है। इसकी वजह से अरबों रुपये के भूमि घोटाले हुए हैं। यहाँ आस्थावानों ने नहीं बल्कि भू–माफियाओं ने जमीनें खरीदी हैं।

उन्होंने कहा कि इन सबसे अयोध्या–फैजाबाद और आसपास के क्षेत्र में रहनेवालों को इसका कोई भी लाभ नहीं मिला। गरीबों और किसानों से औने–पौने दाम पर जमीन लेना, एक तरह से जमीन हड़पना है। हम अयोध्या में तथाकथित विकास के नाम पर हुई 'धांधली' और भूमि सौदों की गहन जाँच और समीक्षा की माँग करते हैं। वहीं, इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा था।

महिलाओं के बिना नहीं हो सकता राष्ट्र का आर्थिक स्वावलंबन - अखिलेश श्रीवास्तव

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। राष्ट्र के आर्थिक विकास में महिलाओं का विशेष योगदान है।जिसका उदाहरण अमानीगंज विकास खंड के महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों से दिखाई दे रहा है। यह बातें नाबार्ड के उप महाप्रबंधक अखिलेश श्रीवास्तव ने ओंकार सेवा संस्थान द्वारा संचालित मिशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में कहीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस संस्था के माध्यम से महिलाओं द्वारा सराहनीय कार्य किया। कार्यक्रम समन्वयक सूर्य कुमार त्रिपाठी ने कहा कि अमानीगंज विकास खंड की नब्बे महिलाओं को ओंकार सेवा संस्थान द्वारा नाबार्ड के सहयोग से केला रेशा विधायक प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। प्रशिक्षण के उपरांत यह महिलाएं केला रेशा से बहुत ही आकर्षक सामान बना रही है। जिसकी मांग दिन प्रतिदिन देश के कोने–कोने में बढ़ रही है। और देश के कोने कोने से लोग इनके सामान को देखने के लोग मोहली जैसे सुदूरवर्ती गांव में आ रहे है और बरबस इनके द्वारा बनाए गए सामने को खरीद रहे है। उन्होंने बताया कि यदि समाज में महिलाओं को हुनरमंद बनाया जाता है तो वे हमारे राष्ट्र को सशक्त बनाने का कार्य करेंगी।ओंकार सेवा संस्थान द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है इसकी जितनी तारीफ की जाय कम है । नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक कमलेश यादव ने कहा कि किसान जिस केला के तने को बेकार समझकर फेंक देता था।उसी बेकार तने से महिलाएं आज सोना बना रही है और प्रशिक्षण के उपरांत इनके द्वारा निर्मित उत्पादों की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ रहीं है।जिससे महिलाओं का हौसला भी बढ़ रहा है। और घर से लेकर समाज में चारो ओर उनके सम्मान की दृष्टि से देखा जा रहा है।उन्होंने ने कह कि आज से तीन माह पूर्व जिन महिलाओं को केला का तना पकड़ने में झिझक होती थी आज वही महिलाएं केले के रेशे से ऐसा आकर्षक सामान बना रही है और उनके इस

काम को देखने और समझने के लिए नाबार्ड के प्रशिक्षु अधिकारी आ रहे है तथा उनसे प्रशिक्षण की बारीकी समझ रहे हैं।इससे यह स्पष्ट हो गया है कि बिना औपचारिक शिक्षा के भी कुछ ऐसा किया जा सकता है जिसे समझने के लिए बड़े बड़े अनुसंधान किए जाते है। इस मौके पर नाबार्ड के प्रशिक्षु अधिकारियों में तरुण कुमार शुक्ल,वाणी मौर्य ,रज्जब अली अंसारी ,शिव नारायण वर्मा ,अरविंद कुमार ,समीर गुप्ता के साथ हुनरमंद महिला शिवानी शुक्ला ,अनीता तिवारी ,अर्चना सिंह ,मिथिलेश , कोमल , सहित सौ से अधिक महिलाएं उपस्थित रही।

संपादकीय

फ्रांस के चुनाव

फ्रांस दक्षिणपंथियों के प्रभुत्व वाले देश के रूप में नहीं, बल्कि इटली की तरह एक ऐसे देश के रूप में जगा, जहां मुश्किल जोड़–तोड़घ्के जरिये ही सही, आखिरकार एक व्यावहारिक गठबंधन सरकार बन सकती है। फ्रांस ने संसदीय चुनाव में मरीन ली पेन की प्रवासन–विरोधी पार्टी नेशनल रैली को नकार दिया है, जो राष्ट्रवादी कारनामों के प्रति उनके गहरे प्रतिरोध का एक और प्रदर्शन था। इन स्थितियों ने मैक्रों को मजबूर कर दिया है कि वे सर्वशक्तिमान राष्ट्रपति के बजाय संसद की भी सुनें। पेरिस ओलंपिक का बिगुल बजने में अब तीन हफ्ते से भी कम समय बचा है। अगस्त में समुद्र तटों या पहाड़ों पर जाना फ्रेंच जीवन–शैली की पहचान है। ऐसे में, यही लगता है कि सरकार के गठन की बातचीत शरद ऋतु तक खिंच सकती है, जब फ्रांस को बजट पारित करने के लिए सरकार की जरूरत होगी। फिलहाल फ्रांस में चुनाव के नतीजों ने एक गतिरोध तो पैदा कर ही दिया है। एक उभरता हुआ और विवादास्पद वामपंथी गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट नेशनल असेंबली में 180 सीटें जीतकर पहले स्थान पर है। उसने तुरंत ही मांग की कि राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों को उसे सरकार बनाने के लिए बुलाना चाहिए। साथ ही उसने यह भी कहा है कि वह अगले हफ्ते अपने पसंदीदा प्रधानमंत्री का नाम सामने रखेगा। संविधान के अनुसार, मैक्रों ही प्रधानमंत्री का चुनाव करेंगे। 577 सदस्यीय नेशनल असेंबली में न्यू पॉपुलर फ्रंट को बहुमत से करीब 100 सीटें कम हैं। उसकी जीत के पीछे सिर्फ वामपंथी गठबंधन नहीं था, बल्कि दूसरे चरण के मतदान में मध्यमार्गियों और वामपंथियों द्वारा नेशनल रैली के खिलाफ शरिपब्लिकन मोर्चाश बनाने के निर्णय का असर भी दिखा था। इसके बावजूद, जुझारू वामपंथी नेता जीन–ल्यूक मेलेनचॉन ने कहा है कि वह संभावित गठबंधन सहयोगियों से बातचीत नहीं करेंगे, न ही वामपंथी कार्यक्रम में जरा भी बदलाव करेंगे। फ्रांस में राष्ट्रपति शासन प्रणाली के कारण गठबंधन बनाने संबंधी समझौते की कोई संस्कृति नहीं है। मैक्रों को अब राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर भिन्न विचारों वाले दलों के बीच व्यापक रूप से सहमत एजेंडे पर श्रमसाध्य बातचीत की बारीकियों को समझना होगा। उदाहरण के लिए, न्यू पॉपुलर फ्रंट सेवानिवृत्ति की उम्र को 64 से घटाकर 60 करना चाहता है, जबकि एक साल पहले ही मैक्रों ने काफी संघर्ष के बाद इसे 62 से बढ़ाकर 64 कर दिया था। मैक्रों बजट घाटे को कम करने को प्राथमिकता देना चाहते हैं, जबकि न्यू पॉपुलर फ्रंट न्यूनतम वेतन बढ़ाना चाहता है और ऊर्जा व गैस की कीमतों को स्थिर रखना चाहता है। मैक्रों की सरकार ने इस साल की शुरुआत में एक आव्रजन विधेयक पारित किया था, जिसके तहत विदेशियों को फ्रांस में काम करने, रहने और पढ़ने की अनुमति देने वाले नियमों को सख्त बनाया गया था। जबकि, वामपंथियों ने शरण प्रक्रिया को और अधिक उदार बनाने का संकल्प लिया है। नेशनल असेंबली का तीन बड़े गुटों–वामपंथी, मध्यमार्गी और दक्षिणपंथी–में विभाजन, किसी व्यावहारिक गठबंधन के लिए तत्काल कोई आधार प्रदान नहीं करता। मैक्रों के मध्यमार्गी गुट के पास लगभग 160 सांसद हैं, जो पहले 250 थे, तथा नेशनल रैली और उसके सहयोगियों के पास लगभग 140 सांसद हैं, जो पहले 89 थे। फ्रांस ने एक बार फिर अति दक्षिणपंथियों को सत्ता से दूर रखा, लेकिन आप्रवासन और जीवन–यापन की बढ़ती लागत के प्रति गुस्से के कारण दक्षिणपंथियों को सिरे से खारिज भी नहीं किया है। प्रधानमंत्री गैब्रियल अट्टल के साथ सोमवार को बातचीत के बाद मैक्रों ने उनसे देश की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए फिलहाल पद पर बने रहने के लिए कहा है। मैक्रों का कार्यकाल सीमित है और उन्हें 2027 में पद छोड़ना होगा। वह पिछले कुछ दिनों से ज्यादातर चुप हैं, जो असामान्य बात है। हालांकि उनकी पार्टी एक–तिहाई सीटें गंवा चुकी है, लेकिन उनकी वैसी हार नहीं हुई, जिसकी अपेक्षा की जा रही थी। अपमानित होने से वह बच गए। यह कोई छोटी बात नहीं है। अब उनसे उम्मीद की जा रही है कि वह किसी गठबंधन की संभावनाओं को तलाशने के लिए विभिन्न दलों से आराम से परामर्श करेंगे। राष्ट्रपति के समक्ष दो चुनौतीपूर्ण विकल्प हैं। एक तो नेशनल रैली के साथ शासन करना, जिसके युवा पार्टी नेता जॉर्डन बार्डेला प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं और दूसरे मेलेनचॉन की पार्टी के साथ सरकार बनाना, जिस पर मैक्रों ने यहूदी विरोधी होने का आरोप लगाया है। वह समाजवादियों और ग्रीन्स के साथ–साथ मुख्यधारा के रूढ़िवादियों सहित उदारवादी वामपंथियों को गठबंधन में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। पिछले महीने यूरोपीय संसद के चुनाव में सोशलिस्ट पार्टी के सफल अभियान का नेतृत्व करने वाले ग्लक्समैन ने कहा, शम एक विभाजित असेंबली में हैं, और इसलिए हमें बचकाने व्यवहार से बचना होगा। इसका मतलब है कि हमें बात करनी होगी, संवाद में शामिल होना होगा और यह मानना होगा कि नेशनल असेंबली सत्ता का केंद्र है। उन्होंने इसे राजनीतिक संस्कृति में एक मौलिक परिवर्तन बताया। न्यू पॉपुलर फ्रंट की 180 सीटों में से अनुमानतः 75 सीटें फ्रांस अनबोड को मिलेंगी, जबकि लगभग 65 सीटें सोशलिस्टों को, लगभग 33 ग्रीन्स को तथा 10 से भी कम सीटें कम्युनिस्टों को मिलेंगी। जैसा कि ग्लक्समैन की टिप्पणियों से साफ है, गठबंधन को एक साथ बनाए रखना कठिन होगा। सिद्धांत रूप में, यूरोपीय संसद में गठबंधन बनाने वाले उदारवादी ग्लक्समैन समाजवादियों, ग्रीन्स, कम्युनिस्टों, मैक्रों के मध्यमार्गी गुट और रिपब्लिकन के लगभग 60 मुख्यधारा के रूढ़िवादी सांसदों के गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हो सकते हैं।

बड़े तूफान होने की अधिक संभावना

संजय

जब 1 जुलाई को हरिकेन बेरिल ने ग्रेनेडाइन द्वीप समूह पर हमला किया, तो इसकी 150 मील प्रति घंटे की हवा और भयानक तूफानी लहरों ने इसे उष्णकटिबंधीय अटलांटिक में देखा गया सबसे पहला श्रेणी 5 तूफान (सैफिर–सिम्पसन तूफान पवन पैमाने पर सबसे विनाशकारी ग्रेड) बना दिया। 2024 में एक सक्रिय तूफान के मौसम का पूर्वानुमान पहले से ही लगाया गया था। हालाँकि, जिस गति से बेरिल ने तीव्रता प्राप्त की, वह उष्णकटिबंधीय–तूफान की ताकत से बढ़कर 70 मील प्रति घंटे की औसत हवाओं से 130 मील प्रति घंटे की हवाओं के साथ प्रमुख–तूफान की स्थिति में पहुँच गया, जिसने वैज्ञानिकों को चकित कर दिया। बेरिल एक ऐसा तूफान है जो जून की तुलना में तूफान के मौसम के दिल का अधिक विशिष्ट है, और इसकी तीव्र तीव्रता और शक्ति असामान्य रूप से गर्म पानी द्वारा संचालित होने की संभावना है, अल्बानी विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क स्टेट यूनिवर्सिटी में वायुमंडलीय विज्ञान के एक एसोसिएट प्रोफेसर ब्रायन टैंग कहते हैं। जैसे–जैसे दुनिया रिकॉर्ड जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन के कारण तेजी से गर्म हो रही है, शोध से पता चलता है कि आने वाले समय में और भी अप्रिय आश्चर्य होने वाले हैं। अटलांटिक महासागर के मध्य की एक संकरी पट्टी में, जहाँ अधिकांश तूफान बनते हैं, समुद्र की सतह का तापमान असामान्य रूप से अधिक होता है। वास्तव में, महासागर की ऊष्मा सामग्री – सतह के पानी में कितनी ऊर्जा समाहित है, इसका एक माप जिससे तूफान शक्ति प्राप्त करते हैं – 1 जुलाई को सितंबर के औसत के करीब थी। पानी धीरे–धीरे गर्मी जमा करता है, इसलिए गर्मियों की शुरुआत में समुद्र की गर्मी को अपने सामान्य चरम के करीब देखना चिंताजनक है। यदि उष्णकटिबंधीय अटलांटिक पहले से ही ऐसे तूफान पैदा कर रहा है, तो बाकी तूफान के मौसम में क्या हो सकता है? एक बंपर सीजन यदि 23 मई को जारी राष्ट्रीय तूफान केंद्र का प्रारंभिक पूर्वानुमान सही है, तो उत्तरी अटलांटिक में नवंबर के अंत तक 17 से 25 नामित तूफान, आठ से 13 तूफान और चार से सात बड़े तूफान देखने को मिल सकते हैं, जोर्डन जोन्स, एक पोस्टडॉक्टरल रिसर्च फेलो जो अध्ययन करते हैं कि जलवायु परिवर्तन तूफानों की भविष्यवाणी करने के वैज्ञानिक प्रयास को कैसे प्रभावित करता है, कहते हैं। यह किसी भी प्रीसीजन पूर्वानुमान में नामित तूफानों की सबसे अधिक संख्या है। 26 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गर्म समुद्री पानी तूफानों की जीवनरेखा है। गर्म, नम हवा एक और शर्त है। लेकिन इन राक्षसों को अपनी क्रूरता की सीमा तक पहुँचने के लिए बस इतना ही नहीं चाहिए। ऊपरी और निचले वायुमंडल में लगातार हवाएँ भी चक्रवाती तूफानों को घुमाते रहने के लिए जरूरी हैं। एल नीनो से ला नीना में बदलाव – प्रशांत क्षेत्र में दीर्घकालिक तापमान पैटर्न में दो विपरीत चरण – इस गर्मी के अंत में होने की उम्मीद है। यह व्यापारिक हवाओं को कम कर सकता है जो अन्यथा तूफान के भंवर को अलग कर सकती हैं। जोन्स कहते हैं। ला नीना मौसम की जल्दी शुरुआत के साथ–साथ लंबे मौसम का भी संकेत दे सकता है, क्योंकि ला नीना – गर्म अटलांटिक के साथ – साल के भीतर तूफान के अनुकूल वातावरण को पहले और लंबे समय तक बनाए रखता है। आप उम्मीद कर सकते हैं कि वैश्विक तापन से और तूफान आएंगे। लेकिन बेन क्लार्क (ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय) और फ्रेडरिक ओटो (इंपीरियल कॉलेज लंदन) के अनुसार, अब तक के शोध में ऐसा नहीं पाया गया है, जो दो वैज्ञानिक हैं जो चरम मौसम की घटनाओं में जलवायु परिवर्तन की भूमिका को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश करते हैं। ष्तेजी से गर्म हो रही दुनिया में गर्म, नम हवा और उच्च महासागर तापमान प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। फिर भी इस बात का कोई सबूत नहीं है कि तूफान अधिक बार आ रहे हैं, न ही वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि जलवायु परिवर्तन के साथ इसमें बदलाव आएगा, वे कहते हैं। इसके बजाय, जो तूफान आते हैं, वे बेरिल जैसे बड़े तूफान होने की अधिक संभावना रखते हैं। भूमध्य रेखा के उत्तर और दक्षिण में भी तूफानों के प्रजनन के लिए स्थितियाँ पाई जाएँगी, क्योंकि हर जगह समुद्र तेजी से गर्म हो रहा है। और अटलांटिक तूफान उस मौसम (1 जून से 30 नवंबर) के बाहर भी बन सकते हैं, जिसमें लोग उनसे उम्मीद करते हैं।

अमेरिका को यह विश्वास दिला पाएंगे

विनोद

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन, जो 81 वर्ष के हैं, कहते हैं कि वे नवंबर में होने वाले चुनाव से पीछे नहीं हटेंगे और फिर से राष्ट्रपति बनने का इरादा रखते हैं। समस्या यह है कि अब उनकी अपनी पार्टी के लोग ही उनसे पद छोड़ने का आग्रह कर रहे हैं, यह समझते हुए कि वे बहुत बूढ़े हैं और इस काम को करने के लिए बहुत कमजोर हैं। उम्र अपने आप में उतनी महत्वपूर्ण नहीं है जितनी कि तीक्ष्णता। श्री बिडेन अगर अपनी बढ़ती उम्र के कारण शारीरिक रूप से पीछे रह जाते तो वे काम चला लेते, लेकिन यहाँ मुद्दा उनकी मानसिक स्थिति का है।संसदीय लोकतंत्रों में नेताओं से ज्यादा अमेरिकी राष्ट्रपतियों से उम्र के बारे में लंबे समय से सवाल पूछे जाते रहे हैं, क्योंकि उनके पास बहुत ज्यादा शक्ति होती है। रोनाल्ड रीगन जब अपने दूसरे कार्यकाल के लिए प्रचार कर रहे थे, तब उनकी उम्र 73 वर्ष थी और उन्हें बहुत बूढ़ा माना जाता था। श्री बिडेन अपनी बहस के दौरान सुस्त थे, लेकिन लाइव टेलीविजन पर रोनाल्ड रीगन ने उम्र के मुद्दे को सीधे तौर पर उठाया।जब हेनरी ट्रेविट नामक एक राजनीतिक संवाददाता ने कहा कि, ष्आप पहले से ही इतिहास के सबसे बूढ़े राष्ट्रपति हैंष्, तो रीगन ने एक प्रसिद्ध पंक्ति के साथ जवाब दियारू ष्मैं चाहता हूँ कि आप यह भी जान लें कि मैं इस अभियान में उम्र को मुद्दा नहीं बनाऊँगा। मैं राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी की युवावस्था और अनुभवहीनता का फायदा नहीं उठाने जा रहा हूँ।" श्री बिडेन पहले से ही रीगन से अधिक उम्र के हैं, जो अपने दूसरे कार्यकाल के अंत में थे और अब तक कार्यालय संभालने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं, दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति की तो बात ही छोड़िए। अमेरिकी संविधान में राष्ट्रपति बनने के लिए न्यूनतम आयु (35) निर्धारित की गई है, लेकिन कोई ऊपरी सीमा नहीं है। हालाँकि, श्री बिडेन और श्री ट्रम्प से पहले हाल के दिनों में, राष्ट्रपति युवा ही रहे हैं, बराक ओबामा ने 47, जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने 54 और बिल क्लिंटन ने 46 की उम्र में शपथ ली थी। श्री बिडेन तुलनात्मक रूप से बूढ़े हैं और एक ऐसे मंत्रिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं जो विशेष रूप से युवा भी नहीं है। इसके शीर्ष सदस्य कमला हैरिस (59), विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन (62), ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन (77) और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन (70) हैं। अंतिम नाम वाले व्यक्ति को खुद भी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ हैं, कुछ महीने पहले लोगों को बताए बिना उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ब्रिटेन का मंत्रिमंडल, जिसे ऋषि सुनक की कीर स्टारमर से हार के बाद नियुक्त किया गया था, तुलनात्मक रूप से काफी युवा है। उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर 44 वर्ष की हैं, चांसलर रेचल रीव्स 45 वर्ष की हैं, गृह सचिव यवेट कूपर 55 वर्ष की हैं और विदेश सचिव डेविड लैमी 51 वर्ष के हैं। महत्व के क्रम में अगले दो मंत्री 41 और 40 वर्ष के हैं। श्री स्टारमर स्वयं 61 वर्ष के हैं और श्री बिडेन से एक पीढ़ी छोटे हैं।

भारत में, प्रधानमंत्री अगले साल 75 वर्ष के हो जाएंगे, हालांकि उनका कहना है कि वे पद पर बने रहेंगे। शीर्ष विभागों को संभालने वालों के लिए उनके मंत्रिमंडल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें सबसे युवा अमित शाह हैं, जो 59 वर्ष के हैं। फिर हमारे पास राजनाथ सिंह (72), निर्मला सीतारमण (64), एस. जयशंकर (69) और नितिन गडकरी (67) हैं।

एक नया भारत रणनीतिक समझौता

आदित्य

हिंदुओं पर कथित रूप से हमला करने के लिए राहुल गांधी को फटकार लगाने के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निस्संदेह तब बहुत खुश हुए जब ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने यह घोषणा करने में कोई समय नहीं गंवाया कि ष्ब्रिटेन में हिंदू–फोबिया के लिए बिल्कुल भी जगह नहीं है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सर कीर, जो एक सफल लेकिन कुछ हद तक दूर के वकील हैं, जिन्होंने कंजर्वेटिव प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को करारी शिकस्त दी, ने भारत के साथ एक नई रणनीतिक साझेदारी बनानेष् का वादा किया। श्री सुनक की हार ने उनकी भारत में रहने वाली सास, सुधा मूर्ति, जो राज्यसभा की सदस्य हैं, को व्यक्तिगत क्षति का सबसे तीव्र एहसास कराया होगा। सुश्री मूर्ति ने यह दावा करते हुए गर्व महसूस किया कि उन्होंने अपने पति, इंफोसिस के संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति को बनाया है, जबकि उनकी बेटी अक्षता ष्अपने पति को यूके का प्रधानमंत्री बनाने में कामयाब रही हैंष्। दूसरों को लग सकता है कि यह टिप्पणी कि एक साम्राज्य खो देने के बाद भी ब्रिटेन को कोई भूमिका नहीं मिली है, आज भी उतनी ही सत्य है जितनी कि अमेरिकी राजनीतिज्ञ डीन एचेसन ने 1962 में कही थी। बाकी ब्रिटेन के लिए, रिफॉर्म यूके पार्टी के निगेल फरेज ने यह कहते हुए कोई अतिशयोक्ति नहीं की कि नए प्रधानमंत्री के लिए कोई उत्साह नहीं है, जिनकी लेबर पार्टी ने चुनावों में जीत हासिल की है, हाउस ऑफ कॉमन्स में दो तिहाई सीटें जीती हैं, जबकि लोकप्रिय वोट का केवल एक तिहाई हिस्सा ही उनके खाते में गया है। अपने आठवें प्रयास में संसद में प्रवेश करने में सफल होने के बाद, 60 वर्षीय श्री फरेज ने लेबर को संभालने की कसम खाई है। कुछ सदस्य उनकी चापलूसी के आगे झुक सकते हैं, क्योंकि टोनी ब्लेयर द्वारा वोट जीतने वाली नई लेबर पार्टी बनाने के लिए सामूहिक राष्ट्रीयकरण के लिए लेबर की पवित्र प्रतिबद्धता को समाप्त करने के बाद वैचारिक प्रतिबद्धता का अंतिम निशान भी गायब हो गया था। इस कदम के विरोधियों ने तब शिकायत की थी – और शायद अब भी मानते हैं – कि पार्टी के पंथ में ऐसा कुछ भी नहीं है जो लिबरल डेमोक्रेट्स, मिस्टर फरेज के रिफॉर्म यूके, जिसके केवल चार सांसद हैं, या यहां तक घ्कि मिस्टर सुनक के कंजर्वेटिव जैसे समूहों के साथ ओवरलैपिंग को रोक सके। लेबर–समर्थक जातीय भारतीय जीवन साथी, आयशा, बैरोनेस हजारिका का हवाला देते हुए, पिछले 14 वर्षों तक ष्आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक बर्बरताष् के दौरान सत्ता में रहे हैं। ब्रिटेन में शासन इस दौरान कम से कम पांच प्रधानमंत्रियों के अधीन रहा है। कंजर्वेटिव पार्टी लगभग 180,000 लोगों का एक समूह है जो बाकी लोगों की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं और उम्रदराज हैं, और जिन पर (शायद अनुचित रूप से) सरकारी वित्तीय रणनीतियों और राज्य के उच्च अधिकारियों से

समूह के अपने सामूहिक कल्याण के लिए एक विशेष कर्तव्य का प्रदर्शन करने की अपेक्षा करने का संदेह है। श्री सुनक की महंगे बोर्डिंग स्कूलों और ऑक्सफोर्ड की विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि, और उनकी संपत्ति, जो कि राजा चेरेस III से भी अधिक बताई जाती है, जिसमें व्यापक उद्यानों और झील के बीच 2 मिलियन पाउंड से अधिक की लागत वाला एक देशी घर है, ने केवल उनकी धनी छवि को ही पुष्ट किया। उन्होंने प्रधान मंत्री लिज ट्रस का स्थान लिया, जिनका 2022 का मिनी–बजट इतना विनाशकारी था कि उन्हें और साथ ही उनके वित्त मंत्री, राजकोष के चांसलर क्वासी क्वार्टेंग को पद छोड़ना पड़ा। ऐसी खबरें थीं कि उनके पूर्ववर्ती, बोरिस जॉनसन, जो 2019 से 2022 तक प्रधान मंत्री थे, ने श्री सुनक को अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करने के लिए कुछ नहीं किया, जबकि वे कार्यालय में एक के बाद एक संकटों का सामना कर रहे थे। उन महीनों के दौरान निवेश में गिरावट आई, पर्याप्त नई नौकरियाँ नहीं बनाई गईं, एक बार बेशकीमती राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में देरी और लापरवाही की असंख्य शिकायतें हुईं, और बढ़ती मुद्रास्फीति और कम आर्थिक विकास को ब्रेक्सिट ने और बढ़ा दिया, जिसने ब्रिटेन को यूरोपीय संघ से बाहर कर दिया। उस समय सभी समस्याओं के समाधान के रूप में व्यापक रूप से प्रशंसित ब्रेक्सिट ने जितना हल किया, उससे अधिक चुनौतियाँ पैदा कीं, खासकर ब्रिटेन को उत्तर और दक्षिण के साथ–साथ अमीर और गरीब के बीच विभाजित करके। श्री सुनक ने आर्थिक पुनरुद्धार के लिए कुछ सराहनीय योजनाएँ बनाईं, लेकिन उनमें से कई फल नहीं दे पाईं। हालांकि, 1812 के बाद से ब्रिटेन के सबसे युवा (42 वर्ष) प्रधान मंत्री के रूप में, जब लिवरपूल के दूसरे अर्ल, रॉबर्ट जेनकिंसन ने शपथ ली थी, और पहले रंगीन व्यक्ति (एक हिंदू भी – उन्होंने भगवद गीता पर अपने पद की शपथ ली थी) के रूप में, उन्होंने इतिहास में एक स्थान अर्जित किया। ऐसा नहीं है कि उन्होंने अपने पूर्वजों की भूमि भारत के लिए कोई विशेष सम्मान दिखाया। शायद वह ऐसा करने का जोखिम नहीं उठा सकते थे। गोवा मूल की श्वेत–से–श्वेत कट्टरपंथी सुएला ब्रेवरमैन जैसे सहयोगियों के अलावा, सर कीर स्टारमर को भी हाल ही में बांग्लादेश को ऐसे देश के रूप में नामित करने के बाद काफी आलोचना का सामना करना पड़ा, जहां से आने वाले लोगों को वापस भेजा जाना चाहिए। जब घ्छन्होंने लंदन के जातीय पाकिस्तानी मेयर सादिक खान को प्रधानमंत्री बनने के बाद गले लगाने वाले पहले व्यक्ति के रूप में चुना, तो शायद वे अपनी गलती सुधार रहे थे। किंग्सबरी में उत्तरी लंदन के श्री स्वामीनारायण मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित करना और हिंदू संस्कृति की भरपूर प्रशंसा करना, यहां तक घ्कि "सेवा की भावना से शासन करने" का वादा करना भी शायद इस कृत्य का हिस्सा रहा हो। भारत का ब्रिटेन की लेबर पार्टी के साथ उतार–चढ़ाव भरा रिश्ता रहा है। यह निश्चित रूप से भारत की स्वतंत्रता की पार्टी थी, और प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटल कभी–कभी वे भारतीय श्रोताओं को यह कहकर चिढ़ाते थे कि उन्होंने भारत को "स्वतंत्रता" दिलाई। लेकिन जिम्मेदार पदों पर बैठे भारतीयों का मानना था कि लेबर इस्लामी कट्टरपंथियों का शिकार हो गई है और जम्मू–कश्मीर तथा गुजरात धार्मिक दंगों पर इसके रुख से उन्हें गहरी नाराजगी है। लेबर नेताओं पर लंदन में भारत के उच्चायोग के बाहर हिंसक प्रदर्शन करने का आरोप लगाया गया, जिसके कारण उच्चायुक्त को पुलिस सुरक्षा लेनी पड़ी। अब जबकि भारत पश्चिम, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका के करीब जा रहा है, तो यह देखना भारत के हित में है कि यूरोप, जापान, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ उसके संबंधों में भी सुधार हो। सर कीर ने ब्लॉक कैपिटल में बदलाव का वादा किया है और द्विपक्षीय संबंध एक ऐसा क्षेत्र है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। न तो व्यापार, जिसका अनुमान ख्25 बिलियन है।

घटिया और जल्दबाजी में किए गए निर्माणों से गिरते पुल

अजय

पता नहीं बिहार के ही एक जाने माने कवि आलोक रंजन को अपने गृह राज्य में पुलों के धड़ाधड़ गिरने का पूर्वाभास था या नहीं, परंतु टूटे हुए पुल नामक उनकी कविता की ये कुछ पंक्तियां बहुत मौजूं हो उठी हैं– वैसे तो इन दिनो देश में घटिया और जल्दबाजी में किए गए निर्माणों तथा उनके उद्घाटनों की राजनीतिक जल्दबाजी के चलते पुलों, इमारतों, छज्जों के गिरने, ध्वस्त होने और ऐसे अप्रत्याशित हादसों में जान गंवाने की घटनाएं अचानक से बढ़ गई हैं, लेकिन बिहार में जिस तरह एक माह से भी कम समय में विभिन्न नदी–नालों पर बने 13 पुल पुलिया गिरी हैं या गिर रही है, वह यही साबित करता है कि राज्य भ्रष्टाचार के पुल असली पुलों के मुकाबिल बहुत ज्यादा मजबूत हैं। ऐसे पुल, जिनके वस्त होते जाने को लेकर किसी के माथे पर खास शिकन नहीं है। यानी पुल ही तो था, जो गिर गया। अब क्या करें का भाव। इसको लेकर मीडिया में बहुत हल्ला हुआ तो राज्य की नीतीश सरकार ने 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। ठेकेदारों पर कार्रवाई की बात भी कही जा रही है। चूंकि बिहार में नीतीश सरकार कपड़ों की मानिंद अपना आवरण बदलती है, इसलिए सभी पार्टियां घटिया पुल निर्माण के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार बता रही हैं। इसमें भी यह सावधानी बरती जा रही है कि उसी पुल के बारे में सरकार को कटघरे में खड़ा किया जाए, जिस वक्त आरोपी पार्टी सत्ता में रही हो। इस बीच राज्य सरकार ने गिरे हुए पुलों को फिर से बनाने का आदेश दे दिया है। बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच–वांच चलती रहेगी। मजबूर बिहारवासी फिर नावों के सहारे या तैर कर नदियां पार कर रहे हैं और अपनी किस्मत को कोस रहे हैं। दूसरी तरफ गैर बिहारवासियों के मन में खौफ समा गया है बिहार से गुजरता खतरे से खाली नहीं है। न जाने कौन सा पुल कब धंस जाए और कोई यात्रा अंतिम यात्रा में बदल जाए। इस देश में प्राकृतिक आपदा, घटिया निर्माण, गलत डिजाइन आदि के चलते पुलों, भवनों का गिरना कोई नई बात नहीं है। दूसरे राज्यों में भी ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। क्योंकि निर्माण के हर टेंडर में भ्रष्टाचार एक अलिखित लेकिन अनिवार्य शर्त होती है, जो सार्वजनीन है। फर्क सिर्फ इतना होता है कई जगह भ्रष्टाचार और कमीशनबाजी की लक्ष्मण रेखा के परे एक लोकलाज की अदृश्य रेखा भी होती है, जिसे ध्यान में रखकर इतनी सावधानी बरतने की कोशिश होती है कि सिर मुंडाते ही ओले न पड़ जाएं। ऐसे में बहुत सी इमारते और पुल निर्माण के कुछ बरस बाद टूटकर व्यवस्था पर भरोसा कायम रखते हैं। टूटने या गिरने की स्थिति में उनके उम्रदराज होने का वाजिब कारण बताया जा सकता है। अलबत्ता बिहार में जो पुल गिरे हैं, वो तो बाल्यावस्था से लेकर जवानी में ही दम तोड़ रहे हैं। ऐसी इक्का–दुक्का घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन पुल ध्वस्तीकरण का यह अटूट सिलसिला राज्य में पिछले माह 18 जून से शुरू हुआ, जहां 7 जुलाई तक 13 पुल दम तोड़ चुके थे। टूटने वाली तेरहवीं एक पुलिया है। इस क्रम में गिरने वाला पहला पुल राज्य के अररिया जिले के सिकटी प्रखंड में था। इसके भी पहले इसी साल मार्च के महीने में सुपौल जिले में कोसी नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा था। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई थी, जबकि 10 अन्य घायल हुए थे। इसी तरह बिहार में पिछले साल गंगा नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिर गया था। यह पुल करीब 1 हजार 717 करोड़ की लागत से भागलपुर जिले के सुल्तानगंज और खगड़िया जिले के अगुवानी नाम की जगह के बीच बन रहा था। पुल गिरने की इस तस्वीर को बड़ी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया पर साझा किया था और सरकार ने जांच के आदेश भी दिए थे। आगे क्या हुआ किसी को नहीं पता। यूं भारत में पुलों के बनने और उनके गिरते जाने का अपना इतिहास है, जो देश के सामाजिक और राजनीतिक ताने–बाने के बनने और बिगड़ने के समांतर निर्विकार भाव से चलता रहता है। यह भी हकीकत है कि आज देश में कई पुल ऐसे भी हैं, जो अंगरेजों के जमाने के हैं, लेकिन उम्र ढलने के बाद भी यातायात का बोझा ढो रहे हैं। पुल वस्तीकरण की बात करें तो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2012 से 2022 के बीच 285 पुल ध्वस्त हुए, जिसमें 2022 गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना पुल टूटने से 141 लोगों की मौत का भीषण हादसा भी शामिल है। यूं पुल निर्माण में जोड़ने का भाव निहित है। दूरियां कम करके यातायात और सामाजिक आर्थिक संपर्कों को सुगम बनाने का उपक्रम है। पुल अपने आप में रचनात्मकता और सौहार्द का प्रतीक हैं। नार्वे के नोबेल विजेता वैज्ञानिक और मानवतावादी फ्रिजॉफ नानसेन ने कहा था कि मैं अपने पीछे उस पुल को ढहा दूंगा ताकि आगे बढ़ने के अलावा कोई रास्ता न बचे। यानी पुल पीछे लौटने का नहीं, आगे बढ़ने का रास्ता है। लेकिन भारत में पुल देश को पीछे भी ले जाते हैं। हमारे यहां मानो पुल की परिभाषा केवल रेत सीमेंट की ऐसी संरचनाओंसे है, जिसकी आत्मा को करप्शन ने पहले ही लील लिया होता है। पुल आखिर गिर क्यों जाते हैं? विशेषज्ञ इसका पहला कारण तो प्राकृतिक आपदा को मानते हैं, जिसके आगे इंसान का कोई बस नहीं। इसे अलग रखें तो गलत डिजाइन, लापरवाही, उम्र से ज्यादा समय तक इस्तेमाल, प्राकृतिक आपदा, घटिया सामग्री का इस्तेमाल, ओवर लोडिंग या फिर मानव निर्मित आपदाएं जैसे कि बेजा रेत खनन या लापरवाही से किया गया नदी का गहरीकरण, नदी की प्रकृति की अनदेखी आदि। वैसे भारत में एक पुल की औसत आयु 34.5 साल मानी गई है। लेकिन हमारे यहां पुलों की शिशु मृत्यु दर भी कम नहीं है। यहां तर्क दिया जा सकता है कि भारत में जितनी बड़ी तादाद में पुल–पुलिया बने हैं, उनके अनुपात में गिरने वाले पुल– पुलियाओं की संख्या बहुत कम है। अगर भारतीय पुल प्रबंध प्रणाली (आईबीएमएस) के आंकड़ों को देखें तो भारत में नेशनल हाइवे पर कुल 1 लाख 17 हजार 517 पुल– पुलिया हैं।

बारिश के कारण सड़के नदियों में हुई तब्दील , लोगों का सड़कों पर चलना हुआ दूबर

नगर पालिका प्रशासन के दावे की खुली पोल हवा हवाई साबित हो रहे हैं सफाई अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लगातार उमस और गर्मी के कारण लोग काफी परेशान थे ऐसे में शुक्रवार दोपहर बाद हुई

तेज आंधी तूफान के साथ बारिश लोगो को थोड़ा राहत दिया है वही थोड़ी बारिश में ही नगर की तमाम गली और मोहल्ले नदियों में तब्दील हो गए सड़कों पर लोगों का चलन दुबर हो गया लोग जहां गाड़ी खड़ा कर पानी निकालने का इंतजार करते रहे। जो नगर पालिका प्रशासन की घोर लापरवाही दर्शाता है

जहां एक तरफ नगरपालिका प्रशासन द्वारा बारिश से पहले ही नगर के तमाम नालियों नालों और झीलों की सफाई करने का दावा किया जा रहा था वही हल्की सी बारिश में मोहल्ले गलियों में कॉलोनी में डूबे पानी से साफ लगता है कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा कोई ठोस पहल बरसात से नहीं की गई अन्यथा इन सड़कों पर पानी न भरता। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि सड़के नदी में तब्दील हो गई है। यही नहीं बारिश का पानी लोगों के घरों के अंदर भी प्रवेश कर गया है वही नगर की सिविल लाइन पुलिस चौकी में भी पूरा पानी भर गया। ऐसे में पानी के जल भराव के कारण सड़कों को भी काफी नुकसान होता है। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष मनोरमा मौर्य और अधिशासी अधिकारी पवन कुमार द्वारा कराए गए सफाई कार्य सिर्फ कागजों तक ही सीमित दिखाई दे रहे हैं। वही दूसरी तरफ तेज बारिश के कारण पुरानी बाजार मोहल्ले के बाजार भुआ में एक जर्जर मकान तेज बारिश के चलते धराशाही हो गया। गनीमत रहेगी कि जिस समय ये मकान गिरा उस समय कोई भी व्यक्ति वहां मौजूद नहीं था जिससे कोई भी जान माल की हानि नहीं हुई। वही, घर के आस पास के लोगो का कहना है कि इस मकान में पिछले साल से कोई नहीं रहता था।

एसकेडी अकादमी ने विस्डम डे पर व्यापक वृक्षारोपण अभियान शुरू किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 13 जुलाई, 2024 को सम्मानित निदेशक मनीष सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में, एसकेडी अकादमी को पर्यावरण पहल, एक पेड़ इंसान के नाम के शुभारंभ की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। प्रत्येक वर्ष इस दिन को ष्विस्डमडेष् के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष भी, हमारा सामूहिक लक्ष्य 10,000 पेड़ लगाना है, जो पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और प्रकृति के साथ गहरे संबंध को बढ़ावा देने का प्रतीक है।

विद्यालय के निदेशक श्री मनीष सिंह जी स्वच्छ पर्यावरण तथा पृथ्वी की हरितिमा को बढ़ाने के लिए सदैव ही कृतसंकल्प रहे हैं। पेड़ लगाकर हमारा लक्ष्य वनों की कटाई से निपटना, जैव विविधता को बढ़ाना और हमारे पर्यावरण को पुनर्जीवित करने के वैश्विक प्रयासों में योगदान देना है।

हम अपने पूरे समुदाय–छात्रों, अभिभावकों, कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों को इस नेक प्रयास में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं। सभी को कम या बिल्कुल भी पेड़ न होने वाले क्षेत्रों में पौधे लगाने और इस नेक काम में अपना योगदान प्रदर्शित करते हुए उनकी तस्वीरें हमारे साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

आइए मिलकर अपने ग्रह को सभी के लिए एक बेहतर स्थान बनाएं।

जनसंख्या नियंत्रण कानून की माँग को लेकर जनसंख्या समाधान फाउन्डेशन ने दिया धरना

जनसांख्यिकीय असंतुलन के समाधान हेतु प्रधान मंत्री को जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। को श्जनसंख्या समाधान फाउन्डेशनश् के कार्यकर्ताओं ने JSF जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर गुरुवार को धरना दिया तथा जनसंख्या विस्फोट एवं जनसांख्यिकीय असंतुलन जैसी भीषण समस्या से उत्पन्न हो रहे संभावित गृहयुद्ध के खतरे को रोकने के लिए जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। धरने में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने बताया कि अंधाधुंध संतानोत्पत्ति करने की प्रवृत्ति पर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर अंकुश लगाने में एक–एक पल की देरी भारत और भारतीय संस्कृति के लिए पूर्व की भांति ही विघटनकारी साबित हो सकती है। एक वर्ग विशेष द्वारा रणनीति के तहत जानबूझकर बढ़ाई जा रही जनसंख्या और सनातन समाज की युवा पीढ़ी में एक बच्चे तक सीमित रहने की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण देश के अनेक भागों में 6 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में जनसंख्या का संतुलन उस वर्ग विशेष के पक्ष में झुकता दिखने लगा है। भारत जनसंख्या में धार्मिक असंतुलन के कारण हुए विघटन के दंश का प्रत्यक्ष भुक्तभोगी है, परन्तु पूर्व की सरकारों की विभाजन के तुरन्त बाद से जारी तुष्टिकरण की नीति के चलते अब फिर से वैसी ही परिस्थितियां निर्मित होती दिखाई दे रही हैं।

कार्यकर्ताओं ने आगे बताया कि विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच जनसंख्या का अनुपात वर्तमान अनुपात के अनुसार बनाए रखने के उद्देश्य से श्जनसंख्या नियंत्रण कानूनश बनाने की माँग को लेकर श्जनसंख्या समाधान फाउन्डेशन द्वारा विगत लगभग 11 वर्षों से हजारों छोटी–बड़ी सभाएं, धरना–प्रदर्शन, सांसद संवाद कार्यक्रम, राष्ट्रपति जी सहित महत्वपूर्ण लोगों से भेंट आदि के रूप में राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं संगठन के मुख्य संरक्षक डा. इन्द्रेश कुमार जी एवं केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह जी सहित 125 सांसदों का समर्थन प्राप्त है।

संगठन के जिलाध्यक्ष ने बताया कि श्जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने हेतु समय रहते आवश्यक कदम ना उठाए जाने की स्थिति में निकट भविष्य में विधायक एवं सांसदों सहित महत्वपूर्ण जनप्रतिनिधियों के घेराव की योजना पर भी संगठन में विचार चल रहा है।धरना में प्रदेश संरक्षक राम प्रीति मिश्रा फलाहारी महाराज, प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष कुंवर दुबे, पवन सिंह अभिषेक सिंह, प्रदीप मिश्रा, अरविंद मिश्रा, सुधांशु विश्वकर्मा, बालकृष्ण साहू, विशाल मौर्य, शुशांत गुप्ता, चंदन गुप्ता, जितेंद्र सिंह चौहान, कृष्ण कुमार उपाध्याय, आजाद शुक्ला, संजय शुक्ला, चंचल गुप्ता, विष्णु गुप्ता, मनीष कुमार गुप्ता आदि संहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने बाढ़ प्रभावित मांझा कला गांव का निरीक्षण कर कर्मियों को हर संभव मदद करने के दिये निर्देश

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार को मंडलायुक्त गौरव दयाल ने अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) महेन्द्र कुमार सिंह के साथ जनपद की सोहावल तहसील के अन्तर्गत बाढ़ प्रभावित ग्राम मांझाकला व ढेमुआ पुल के पास सड़क के कटाव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया।उन्होंने बाढ़ प्रभावित मजरों के लोगों को सभी प्रकार की

राहत सामाग्री राजस्व कर्मियों के माध्यम से पहुंचाने के निर्देश दिये।उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को बाढ़ राहत हेतु सभी तैयारियां के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बाढ़ शरणालय की व्यवस्था कर ली गयी है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर बाढ़ प्रभावितों को सुगमता से सुरक्षित स्थल पर बनायी गयी बाढ़ शरणालय में स्थापित किया जा सकें। सभी तटबंधो, ग्रामों व क्षेत्रों में राजस्व विभाग व अन्य विभागों द्वारा सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत सतत् निगरानी रखी पर आवश्यकतानुसार चिकित्सा टीम तैनात रहे तथा यहां पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाईयां भी उपलब्ध रहें। मण्डलायुक्त ने स्टेरिंग ग्रुपध्बाढ़ की बैठक कर बाढ़ के दृष्टिगत बचाव एवं राहत कार्य किये जाने हेतु सभी सम्बंधित विभाग को समस्त आवश्यक प्रबन्ध किये जाने के निर्देश दिये।इस दौरान अपर जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि सम्भावित बाढ़ को देखते हुये पर्याप्त संख्या में नावों जा रही है। बाढ़ के निगरानी हेतु जनपद स्तर पर व तहसील स्तर कण्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका 24 7 संचालन किया जा रहा है। जनपद अयोध्या में बाढ़ के दृष्टिगत प्रभावित क्षेत्रों में आवश्कतानुसार तहसील सदर में 06, तहसील सोहावल में 01 एवं तहसील रूदौली में 03, कुल 10 बाढ़ केन्द्रध्राहत शिविर स्थापित किये गये हैं। उक्त चौकियों में राजस्वध्स्वास्थ्यधपशु चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी 15 जून से ही लगा दी गयी है। चिकित्सा विभाग द्वारा बचाव एवं राहत हेतु 37 टीमों तथा पशु चिकित्सा विभाग द्वारा 21 टीमों का गठन किया गया है।तहसील सदर, सोहावल व रुदौली के उपजिलाधिकारीध्तहसीलदार को निगरानी रखने के साथ ही आवश्यकता अनुसार खाद्यान्न वितरण व पशुओं के चारे हेतु भूसे का वितरण किया जा रहा है।इस दौरान मंडलायुक्त ने आकस्मिकता की स्थिति में किसी भी बाढ़ प्रभावित व्यक्तिध्परिवार को कोई असुविधा न हो साथ ही उन्हें वहां पर प्रकाश, स्वास्थ्य, पेयजल, साफ–सफाई आदि का विशेष प्रबंध किये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सोहावल अशोक सैनी सहित कई विभाग के अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

थाना महाराजगंज मे मारपीट की सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस पर ने किया हमला, गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। थाना महराजगंज के छतरा गांव में मारपीट की सूचना पर पहुंची पुलिस की एक व्यक्ति ने हमला कर दिया।इससे पुलिस को सिर में गंभीर चोटें आने के चलते उक्त सिपाही बेहोश हो गया।घायल सिपाही राहुल की तरीर पर सर्वजीत वर्मा के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना महाराजगंज अमरजीत सिंह ने बताया कि पीआरवी 112 डायल पर छतरा गांव में मारपीट की सूचना मिली थी। जिसकी सूचना मानसी ने दी।उसने अपनी भाई सर्वजीत वर्मा उर्फ लालजी द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाया था।पीआरवी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, तो देखा कि आरोपी अपनी बहन व अन्य परिवारजनों को मारपीट रहा था। पुलिस ने जब उसे रोका तो वह पुलिस पर ही टूट पड़ा और लाठी से सिपाही राहुल का सिर फोड़ दिया। इस दौरान आरोपी ने पुलिस की वर्दी भी फाड़ दिया। सिपाही राहुल के सिर से खून बहता देख चालक ने किसी तरह बचाव कर उसे सीएचसी मया लेकर पहुंची और मरहम पट्टी कराई। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

संयुक्त शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने पैदल मार्च कर सौंपा ज्ञापन

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शासन द्वारा शिक्षकों की समस्याओं के मांगों का निस्तारण किए बिना डिजिटल हाजिरी लगाने के निर्णय के खिलाफ शिक्षकों ने मोर्चा खोल दिया है, संयुक्त शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले सैकड़ो शिक्षकों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर इकट्ठा होकर शासन के निर्णय के खिलाफ नारेबाजी किया।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए शिक्षकों ने जिला अधिकारी कार्यालय कूच किया, तिकोनिया पार्क के पास शिक्षकों ने सिटी मजिस्ट्रेट को 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपे गए ज्ञापन में प्रमुख रूप से 15 हाफ डे लीव, 30 ईएल , अवकाश के दिनों में कार्य करने पर प्रतिकर अवकाश,कैसलेश इलाज,अन्य विभागों की तरह ऑनलाइन उपस्थित लेना,सरवर ठीक ना होने या आपात स्थिति की दशा में ऑनलाइन उपस्थिति का विकल्प दिए जाने से संबंधित प्रमुख मांगे शामिल रही।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर शिक्षकों को संबोधित करते हुए संघर्ष समिति मोर्चा के संयोजक अभिनव सिंह राजपूत ने कहा कि शिक्षकों की मांगों पर निर्णय लिए बगैर डिजिटल हाजिरी लागू किए से शिक्षकों को तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, श्री सिंह ने कहा कि शिक्षक डिजिटल हाजिरी के विरोध में नहीं है लेकिन पहले उनकी मांगों को पर जायज निर्णय लिया जाना चाहिए। महिला शिक्षक संघ की जिला अध्यक्ष मनोरमा साहू ने कहा की दूर दराज स्थित विद्यालयों में महिला शिक्षकों को पर पहुंचने में तमाम परेशानियां उठानी पड़ती हैं ऐसे में शासन का यह निर्णय अव्यावहारिक है जिसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए।जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के महामंत्री चंद्रजीत यादव ने कहा कि महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा आनलाइन उपस्थिति का आदेश जारी किया गया है पहले शिक्षकों की मूलभूत समस्याओं और डिजिटल हाजिरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के संबंध में शिक्षकों से वार्ता की जानी चाहिए थी।अटेवा के जिला अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह ने कहा सुदूर ग्रामीण इलाकों में विपरीत मौसम और विपरीत परिस्थितियों में ऑनलाइन हाजिरी देने में शिक्षकों को समस्याओं का सामना करना पड़ेगा ऐसे में शिक्षकों को तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ेगा इसलिए शासन को इसे लागू करने पर पूर्ण विचार करना चाहिए।पीएसपीएसए के प्रदेश संयोजक पंकज यादव ने कहा कि सरकार को डिजिटल कारण हाजिरी को तत्काल वापस लिया जाना चाहिए पहले शिक्षकों की मांगों पर विचार हो। इस अवसर पर विशिष्ट बीटीसी जिला अध्यक्ष अनिल प्रजापति, दिनेश चंद तिवारी, श्याम जी वर्मा, अमित पांडे, पुनीत यादव,योगेश्वर सिंह, गोपाल कृष्ण श्रीवास्तव, अनुज सिंह, अमरजीत वर्मा,अनिल पांडेय ,नीलम मध्यान, पवन यादव ,राम शौक राजभर शिवेंद्र सिंह दयानंद दुबे बृजेश सिंह आदि शिक्षक मौजूद रहे।

ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में गरजे शिक्षक

डिजिटल उपस्थिति के साथ विभिन्न मांगो को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डिजिटल उपस्थिति का विरोध सहित विभिन्न मांगो को लेकर परिषदीय विद्यालय के शिक्षकों ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में शासन के इस फरमान को तानाशाही बताते हुए जमकर बरसे। उक्त आदेश के विरोध में शिक्षकों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। जिला प्रशासन की तरफ से अतिरिक्त उपजिलाधिकारी अर्चना ओझा के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया।

बेसिक शिक्षा परिषद विभाग द्वारा आठ जुलाई से शिक्षकों के डिजिटल उपस्थिति एंव डिजिटल पंजिका का आदेश हुआ है। उक्त आदेश का उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विरोध करते हुए आंदोलन कर रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह एवं जिला मंत्री सतीश पाठक के नेतृत्व में हजारों पुरुष व महिला शिक्षक दिन में लगभग तीन बजे कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्रित होकर डिजिटल उपस्थिति के विरोध में प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया।जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा तानाशाही फरमान के तहत 08 जुलाई 2024 से डिजिटल उपस्थिति के आदेश को उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ जौनपुर अपने प्रांतीय नेतृत्व के आंदोलन के आह्वान के क्रम में पूरी मजबूती के साथ डिजिटल उपस्थिति का पूर्ण बहिष्कार कर रहा है। उक्त आंदोलन के क्रम में समस्त ब्लाक अध्यक्षध मंत्री के नेतृत्व में सभी ब्लाकों के शिक्षकों ने अभूतपूर्व एकजुटता दिखाते हुए आज दिनांक आठ जुलाई से अपने– अपने विद्यालय में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करते हुए पठन पाठन का कार्य कर रहे हैं, एंव अपनी उपस्थिति पंजिका पर ही अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। आज उसी आंदोलन के तहत माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया गया है, जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि हम शिक्षक डिजिटल उपस्थिति के विरुद्ध नहीं है, बल्कि उसके साथ ही उससे जुड़ी हमारी मूलभूत समस्याएं हैं जिसको लेकर संगठन लम्बे समय से सड़क पर संघर्ष कर रहा है लेकिन सरकार सिर्फ कोरा आश्वासन देकर शिक्षकों को गुमराह करती आ रही है। इसलिए आज ऐतिहासिक ज्ञापन के माध्यम से जनपद से सरकार एवं विभाग को एक स्पष्ट संदेश दिया गया है कि डिजिटल उपस्थित तब तक स्वीकार नहीं है जब तक की शिक्षकों की मूलभूत समस्याओं जैसे, शिक्षकधशिक्षिकाओं को 30 ईएल, हाफ सीएल, सप्ताह के दूसरे शनिवार को अवकाश सहित व्यवस्था लागू किये जाने व प्रदेश के शिक्षकध शिक्षिकाओं की पूर्व से लम्बितध्बाधित समस्याओं का अतिशीघ्र समाधान किया जाए व परिषदीय शिक्षकध शिक्षिकाओं का वेतन विसंगति, स्वास्थ बीमा, पुरानी पेंशन बहाली सहित आवश्यक मुद्दों को दूर नहीं किया जाता है तबतक विरोध जारी रहेगा। साथ ही अध्यक्ष ने बताया कि सरकार के रवैये से शिक्षक समाज अत्यंत ही आहत महसूस कर रहा है, कुछ मीडिया चौनलों के माध्यम से सरकार ने शिक्षकों की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है, समाज में शिक्षकों के खिलाफ एक नकारात्मक माहौल बनाया जा रहा है कि शिक्षक कामचोर, व लापरवाह है जो अत्यंत ही घातक है। ऐसे बयानों व बयानवीरों का शिक्षक समाज घोर निंदा व विरोध करता है। इस अवसर पर भारी संख्या में शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

भुल्लनपुर पीएसी में आयोजित अंतर वाहिनी फुटबाल प्रतियोगिता में 34 वीं वाहिनी का रहा दबदबा

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। 34वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर वाराणसी में प्रचलित चार दिवसीय 28वीं पीएसी पूर्वी जोन अंतर वाहिनी फुटबाल प्रतियोगिता–2024 दूसरे दिन 34वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर वाराणसी का दबदबा रहा। आयोजन सचिव पंकज कुमार पांडेय आईपीएस सेनानायक 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी के निर्देशन में चल रही इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन सुबह का पहला मैच 34 वीं वाहिनी भुल्लनपुर व 36 वीं वाहिनी रामनगर के बीच खेला गया, ।जिसमें 34 वीं वाहिनी की टीम ने धमाकेदार 02 गोल दागते हुए 36 वीं वाहिनी को 2–0 से शिकस्त दी।वहीं 48 वीं वाहिनी सोनभद्र व 42वीं वाहिनी नैनी के मध्य हुए मैच में 48 वीं वाहिनी ने 3–0 से विजय प्राप्त करते हुए 42 वीं वाहिनी को बाहर का रास्ता दिखाया।पूर्व संध्या पर चतुर्थ वाहिनी व 12 वीं वाहिनी के मध्य हुई प्रतियोगिता में 12 वीं वाहिनी ने 3–0 तथा 33 वीं वाहिनी व 39 वीं वाहिनी के मध्य हुई प्रतियोगिता में 39 वीं वाहिनी ने 8–0 से धमाकेदार जीत हासिल किया। इस मौके पर नरेश सिंह यादव सहायक सेनानायक,अजय प्रताप सिंह, शिविर पाल,दल नायक ब्रजेश राय, बदन यादव, सूबेदार मेजर मुन्नीलाल व वाहिनी के अधिकारी, कर्मचारी व खेल प्रेमी मौजूद रहे।

विवेचना में लापरवाही बरतने पर कोतवाली नगर में तैनात दरोगा को एसएसपी ने किया निलंबित

अयोध्या। जिले के खण्डासा थाने में तैनात रहे एक दरोगा पर मुकदमे की विवेचना में लापरवाही करना महंगा पड़ गया है।एसएसपी अयोध्या राज करन नय्यर ने मामले का संज्ञान लेते हुए लापरवाही के आरोपी दरोगा उपनिरीक्षक राहुल पाण्डेय को निलंबित कर दिया है।बताते चलें कि खण्डासा थाना क्षेत्र के इछोई गांव निवासी अधिवक्ता पवन पाण्डेय ने 2 जुलाई 2019 को खण्डासा पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि इच्छोई पूरे रजऊ मिश्र गांव निवासी नन्द कुमार मिश्र पुत्र शुभ करन मिश्र मेरे कब्जे वाले गाटा संख्या 1087 के तीन बीघे जमीन में बोई अरहर की जुताई कर दी थी। पीड़ित पवन पाण्डेय की तहरीर के आधार पर पुलिस ने 3 जुलाई 2019 को मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दिया था।मुकदमे की विवेचना कर रहे उप निरीक्षक राहुल पाण्डेय द्वारा की गई। जहां विवेचक ने दौरान पर्चा नंबर 5 में बतौर साक्षी राम अचल दुबे पुत्र शंभू दत्त का बयान अंतर्गत धारा 161 दर्ज किया गया है। उस भूमि की षष्ठ वार्षिक खतौनी का अवलोकन किया। खतौनी के मुताबिक दर्ज किए गए साक्षी राम अचल दुबे मृतक हो चुके थे।जिसके साक्ष्य स्वरूप षष्ठ वार्षिक खतौनी संलग्न पत्रावली है।जिसमें राम अचल दुबे को मृतक होने की स्थित में उनके सगे बेटे रमाकांत दुबे को उनका जायज वारिस मानते हुए उनके नाम दाखिल खारिज का उल्लेख किया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 (2) के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत करने के लिए 2 जुलाई 2024 को थाना खण्डासा पुलिस को तहरीर दिया। लेकिन अभी तक मुकदमा पंजीकृत नहीं हो सका है। उधर शिकायत को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए जांच एसएसपी राज करन नय्यर ने जांच एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर को सौंप दिया। इसके बाद एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर द्वारा मामले की जांच रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किसानों को दिए गए ऋण वसूली शुरू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की जौनपुर क्षेत्र की विभिन्न शाखाओं द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड खातो के NPA होने के उपरांत RC जारी की गयी थी, जिसके परिणाम स्वरूप जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड के निर्देश के क्रम में 9 जुलाई 2024 को नायब तहसीलदार मछलीशहर द्वारा बैंक के वसूली विभाग के मुख्य प्रबंधक के साथ दौरा किया गया और बैंक के बड़े बकायेदारों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्यवाही का आदेश दिया तथा अन्य उन सभी बकायेदारो के विरुद्ध वसूली की प्रक्रिया को भी तेज करने का निर्देश दिया है जिनके खातो में आरसी जारी की गयी है। कुछ बकायेदारो ने तत्काल नकद जमा किया, कुछ ने शाखा से संपर्क कर पूरा पैसा जमा करने को सहमत हुए तथा कुछ बकायेदारो ने आगामी लोक अदालत 13 जुलाई 2024 में आकर पूरा पैसा जमा करने को सहमत हुए। इसके साथ ही तहसीलदार साहब ने निर्देश दिया कि अगर बकायेदारो द्वारा लोक अदालत में पैसा जमा करने में चूक हुई तो उनके विरुद्ध विधि के अनुरूप सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग के रडार पर 50 आशाएं, 41 की सेवा की जा चुकी समाप्त

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में कमीशन के खेल में महिला मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाली करीब 50 आशाएं स्वास्थ्य विभाग के रडार पर हैं। इनके खिलाफ लिखित शिकायत की गई है। शिकायत के आधार पर आशाओं को चिह्नित कर नोटिस भी दिया जा चुका है। इसके बाद भी सुधार न होने पर इनकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का लाभ जन–जन तक पहुंचाने के लिए विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा सेवाओं का लाभ जन–जन तक पहुंचाने में आशाओं का विशेष योगदान होता है। ये ग्रामीण क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को टीका समेत सभी सुविधाएं दिलाने, स्वास्थ्य केंद्र या सरकारी अस्पताल में करवाने के लिए प्रेरित करती हैं। कमीशन के लालच में कई आशाएं गर्भवतियों को प्राइवेट अस्पताल पहुंचा देती हैं। अप्रशिक्षित हाथों से प्रसव होने के चलते गर्भवती महिलाओं की मौत के कई मामले हो चुके हैं। आगरा में गर्भवती महिलाओं के निजी अस्पताल में ले जाने और प्रसव कराने के वीडियो भी कई बार वायरल हुए हैं। जिससे जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की किरकिरी हो रही थी। इसके बाद से ही विभाग का आशाओं के प्रति सख्त रूप देखने में आया। स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी 41 आशा की सेवा समाप्त कर चुके हैं। सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया, कि जिले सभी 15 ब्लॉक में ऐसी आशा चिह्नित की जा चुकी हैं जो ठीक ढंग से काम नहीं कर रही हैं। इनको नोटिस देने के साथ इनके काम की मॉनिटरिंग भी की जा रही है। इसके बाद भी आशाओं के काम में सुधार नहीं आया तो इनकी सेवाएं भी समाप्त कर दी जाएंगी।

रंजिश में युवक की धारदार हथियार से वार कर हत्या

कानपुर, संवाददाता। कानपुर देहात में रसूलाबाद थाना क्षेत्र के चतुर निवादा में बुधवार की तड़के चारपाई पर सो रहे युवक की गांव के एक युवक ने धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। चीखने पर पहुंचे परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने हत्यारोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच कर साक्ष्य जुटाए। परिवार के लोगों ने चुनावी रंजिश में हत्या किए जाने की बात कही है। बुधवार की सुबह चतुर निवादा निवासी शिव सिंह उर्फ लालू (40) घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था। सोते समय उसके ऊपर गांव के एक युवक ने बांका से हमला कर दिया। शिव सिंह की चीखने पर परिवार के लोग पहुंचे तो वह खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला, कुछ देर बाद मौत हो गई। मृतक के भाई तेजसिंह ने पुलिस को बताया कि शिव सिंह उससे छोटा था। मंगलवार रात घर के बाहर चबूतरे पर चारपाई डालकर सोया था। रात 3 बजे चीखने चिल्लाने की आवाज पर पुत्र अभिषेक, बेटी प्रिया सेंगर व अन्य लोग भागकर बाहर आए। तो देखा गांव के बृजमोहन भाई पर बांका से हमला कर पास में खड़ा था। उनके पहुंचने पर वह वहां से भाग निकला।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

परिजनों ने चुनावी रंजिश में घटना को अंजाम दिए जाने की बात पुलिस से कही है।

इधर, घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने छानबीन कर आरोपी को हिरासत में लिया है। एएसपी राजेश पांडेय ने बताया कि आरोपी ब्रजमोहन को पकड़ा गया है। उसने हत्या करने की बात स्वीकार की है। उसके पास से आला कत्ल भी बरामद हुआ है। रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पेड़ से टकराई कार, एक की मौत... तीन लोग घायल

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार की देर रात तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसा खंदौली थाना क्षेत्र में पोइया गांव के पास आगरा–हाथरस हाईवे पर हुआ। थाना क्षेत्र के ही खड़िया गांव में शादी में शामिल होकर कार सवार आगरा शहर की तरफ जा रहे थे। रास्ते में कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में रोहित पुत्र सतीश (21) की मौत हो गई। जबकि किशन पुत्र पूरन, बासू देव पुत्र पप्पू, शिवा पुत्र राधेश्याम घायल हो गए। यह सभी लोग एत्माउद्दौला थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना के बाद आसपास के लोग जमा हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने हादसे की जानकारी ली। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घरवालों को सूचना दी गई है।

पुलिस ने खनन लदी पांच ट्रैक्टर ट्रालियां पकड़ी

मेरठ, संवाददाता। पुलिस ने नगर के सुभाष चौक पर मिट्टी से लदी पांच ट्रैक्टर ट्रालियां पकड़ी हैं। पुलिस का कहना है कि अवैध खनन किया जा रहा था। ट्रैक्टर ट्रालियों को सीज किया जाएगा। नगर की सड़कों पर नियमों को ताक पर रखकर ट्रैक्टर ट्रालियों से दिन–रात बिना किसी रोकटोक के मिट्टी की ढुलाई की जा रही है। स्कूलों की छुट्टी के समय भी यह मिट्टी लदी ट्रैक्टर ट्रालियां सड़कों पर फर्राटा भर रही हैं। मंगलवार को रेलवे रोड पुलिस चौकी इंचार्ज राजन पुंडीर ने टीम के साथ सुभाष चौक पर पांच मिट्टी लदी ट्रैक्टर ट्रालियों को पकड़ा है। यह हाईवे से शास्त्री चौक की तरफ जा रही थीं। राजन पुंडीर ने बताया कि सुबह से मिट्टी की ढुलाई हो रही थी। चालकों को मना भी किया गया, लेकिन वह नहीं माने। इसके चलते पांच ट्रैक्टर ट्रालियों को पकड़ा गया है, जिन्हें सीज किया जाएगा।

बाइक से उछलकर महिला सड़क पर गिरी, मौत हुई

शामली, संवाददाता। पुत्र के साथ पीछे बाइक पर बैठकर जा रही 50 वर्षीय महिला उछलकर सड़क पर गिरकर घायल हो गई। परिजन घायल को शामली प्राइवेट नर्सिंग होम ले गए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सुबह गांव मलकपुर निवासी 50 वर्षीय ममतेश अपने पुत्र के साथ बाइक द्वारा खेतों से मिर्च तोड़ने जा रही थी। मलकपुर से मोहम्मदपुर राई रोड पर ममतेश अचानक बाइक से उछलकर सड़क पर गिर गई तथा गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन घायल को शामली प्राइवेट नर्सिंग होम ले गए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में परिजनों ने बिना पुलिस कार्रवाई के गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

पत्नी के वियोग में रेलवे ओवर ब्रिज पर चढ़ा व्यक्ति, घंटों चला ड्रामा

सहारनपुर, संवाददाता। पत्नी के वियोग में एक व्यक्ति रेलवे के ओवरब्रिज पर चढ़ गया और कूदकर खुदकुशी करने की धमकी देने लगा। सूचना पर पुलिस और काफी संख्या में ग्रामीण वहां पहुंच गए। कई घंटे चले ड्रामे के बाद आखिरकार पुलिस ने उसे नीचे उतार लिया। मंगलवार की शाम पीरड गांव निवासी इरफान का पुत्र कैफ (26) तलहेड़ी–चंदेना कोली मार्ग पर स्थित रेलवे के लोहे के ओवरब्रिज पर चढ़ गया और जमकर हंगामा करने लगा। इस दौरान वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। कैफ वहां से कूदकर जान देने की धमकी देने लगा। जिसके चलते लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घंटों के ड्रामे के बाद उसे नीचे उतारा। जिसके बाद उसके परिजनों को बुलाया गया और पूछताछ करने के बाद उनके सुपुर्द कर दिया गया। चौकी प्रभारी अजय कसाना का कहना है कि युवक नशे की हालत में था और पत्नी के वियोग में पुल पर चढ़ा था। बताया जाता है कि कुछ समय पहले कैफ की शादी सहारनपुर निवासी युवती से हुई थी, लेकिन शादी के बाद अनबन होने के चलते वह अपने मायके चली गई।

चकबंदी में जमीन जाने से आहत युवक ने जान दी

बांदा, संवाददाता। चकबंदी में दस बिस्वा जमीन चली जाने से परेशान युवक ने पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी। तिंदवारी थाना क्षेत्र के क्योटरा बहिंगा निवासी चंद्रपाल (45) ने अपने घर से करीब 250 मीटर की दूरी पर स्थित बबूल के पेड़ से रस्सी से फंदा लगा लिया। ग्रामीणों ने देखा तो परिजनों को जानकारी दी। छोटे भाई दुलीचंद्र व साले सज्जन प्रसाद ने बताया कि चंद्रपाल सात महीने से कैंसर से पीड़ित था। मई में उसे जांच के लिए दिल्ली ले गए थे। दो दिन पहले उसे झांसी में दिखाया था। डॉक्टरों ने दो लाख रुपये इलाज में खर्च बताया। इस पर परिजन उसे वहां से भी वापस ले आए थे। दुलीचंद्र ने बताया कि इस बीच गांव में चकबंदी के दौरान उनकी बस्ती के अंदर की दस बिस्वा जमीन निकाल दी गई। इससे परेशान होकर चंद्रपाल ने खुदकुशी की है। चंद्रपाल तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। गांव में तीन बीघा जमीन है। घर में पत्नी कल्पना व तीन पुत्र एक पुत्री हैं।

व्यापारी के परिवार को बंधक बनाकर दस लाख की डकैती

शामली, संवाददाता। शामली जनपद के चौसाना थानाक्षेत्र में बिडॉली मार्ग के सुंदर नगर गांव में व्यापारी के परिवार को बंधक बनाकर पांच बदमाशों ने घर में लूटपाट की।

बदमाशों ढाई लाख की नगदी एवं गहने लूटकर फरार हो गए। विरोध पर व्यापारी बिल्लू को तमंचे की बट मारकर घायल कर दिया एवं परिवार में लड़कियों, लड़के, मामा एवं भतीजे के साथ भी मारपीट की गई। सूचना मिलते ही जनपद पुलिस में खलबली मच गई। मौके पर एसपी सहित आला अधिकारी पहुंचे। चौसाना के सुंदर नगर में अल सुबह करीब ढाई बजे पांच बदमाश व्यापारी बिल्लू के घर में पीछे से लोहे की पाइप के सहारे घर में घुसे और छत पर सो रहे मामा धरमपाल ,अजय (लड़का),जोनी (भतीजा) को बंधक बनाकर मारपीट की एवं हथियारों के बल पर नीचे के पोर्सन का गेट खुलवाया। बदमाशों ने बिल्लू के विरोध पर तमंचे के बट से घायल कर दिया एवं लड़कियों को चाकू की नोक पर बंधक बनाकार घर से लाखो की नगदी एवं गहने लूट ले गए। पीड़ित ने किसी तरह बंधनमुक्त होकर पुलिस को घटना को जानकारी दी। एसपी अभिषेक झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे एवं घटना किं जानकारी ली गई। मौके पर एसओजी ,सर्विलांस, सीओ कैराना अमरदीप मौर्या सहित तमाम पुलिस के अधिकारी मौजूद है। एसपी का कहना है कि चार टीमों को लगाया गया है। जल्द खुलासा किया जाएगा

प्रेमिका ने घर पर आने से किया इन्कार, वीडियो कॉल कर फंदे पर झूल गया प्रेमी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के कल्याणपुर कलां में मंगलवार को प्रेमिका के घर आने से इन्कार करने से नाराज छात्र ने उसे वीडियो कॉल किया और फंदे से लटक गया। प्रेमिका भागती हुई घर पहुंची और पड़ोसियों की मदद से छात्र को कल्याणपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मूलरूप से उन्नाव बांगरमऊ निवासी आसिफ (20) कल्याणपुर कलां स्थित गायत्री मंदिर के पीछे संतोष सिंह के मकान में एक साल से किराये पर रह रहा था। वह राजकीय आईटीआई से मैकेनिकल की पढ़ाई कर रहा था। आधा किलोमीटर दूर उसकी प्रेमिका भी किराये पर रहकर एक कॉलेज से जीएनएम की पढ़ाई कर रही है। युवती के आसिफ से दो साल से प्रेम संबंध थे और उसके कमरे में आना–जाना था। मंगलवार सुबह आसिफ ने प्रेमिका को कमरे में

बुलाया लेकिन उसने कोचिंग जाने की बात कहकर मना कर दिया। इसके बाद भी आसिफ कॉल करता रहा और न आने पर जान देने की धमकी देता रहा।

जैसे ही कॉल उठाई, आसिफ फंदा लगाता दिखा

दोपहर में घर वापस आने पर आसिफ की तीन वीडियो कॉल देखी। जब तक वह कॉलबैक करती, आसिफ की अगली वीडियो कॉल आ गई। उसने जैसे ही कॉल उठाई, आसिफ फंदा लगाता दिखा। वह आनन–फानन आसिफ के कमरे पहुंची, तो दरवाजा भीतर से बंद था।

पंखे के कुंडे में गमछे के सहारे लटका था शव

किरायेदारों की मदद से धक्का मारकर दरवाजा खुलवाया, तो आसिफ पंखे के कुंडे में गमछे के सहारे लटक रहा था। कल्याणपुर सीएचसी में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

तहरीर के आधार पर की जाएगी कार्रवाई

युवती ने आसिफ का मोबाइल पुलिस को सौंपा। सुधीर कुमार ने बताया कि आसिफ के परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मां ने दी तहरीर तो बेटे ने फंदा लगाकर दे दी जान

बांदा, संवाददाता। बंटवारे के विवाद में मां से बेटे ने मारपीट कर दी। थाने में शिकायत करने पर बेटे ने फंदा लगाकर जान दे दी। पैलानी थाना क्षेत्र के पैलानी डेरा गांव निवासी विनय यादव (25) ने रात में किसी समय घर से 100 मीटर की दूरी पर लगे नीम के पेड़ से रस्सी से फंदा लगा लिया। मंगलवार की सुबह उसका मामा हमीरपुर निवासी राधेश्याम यादव खेत गए तो नीम के पेड़ से उसे लटका देखा। तब परिजनों को जानकारी हो सकी। पिता बाबूलाल ने बताया कि उसके दो पुत्र विनय व राधेश्याम हैं। दो मंजिला मकान है। ऊपर के खंड में बड़ा पुत्र विनय अपनी पत्नी कल्पना और दो पुत्र एक पुत्री के साथ रहता है। मकान के नीचे के हिस्से में छोटा पुत्र राधेश्याम अपनी गर्भवती पत्नी पूनम व एक बेटी के साथ रहते हैं। दस दिन से विनय व उसकी पत्नी घर और खेती के बंटवारे को लेकर विवाद कर रहे हैं। छह दिन पहले बेटा–बहू ने बंटवारे को लेकर मारपीट की थी। सोमवार को जब वह काम से बांदा आया हुआ था तब घर में मां सिद्धकुमारी के साथ उन्होंने मारपीट की। सिद्ध कुमारी ने फोन पर उसे जानकारी दी तो उसने पैलानी थाने में बेटा–बहू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कहा। पत्नी ने सोमवार को थाने में शिकायती पत्र दिया था। शाम को पुलिस भी पूछताछ के लिए पहुंची और मंगलवार को थाने आने की बात कहकर लौट गई। उधर, विनय के मामा राधेश्याम भी आ गए थे। घर में समझौता की बात चल रही थी। पिता ने बताया कि रात में पंचायत के दौरान विनय ने नशा कर लिया।

एडीए कराएगा अलीगढ़ के 407 गांव में विकास, भवन निर्माण से पहले कराना होगा नक्शा पास

अलीगढ़, संवाददाता। अलीगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) महायोजना–2031 के तहत शहर के आठ किलोमीटर के दायरे में आने वाले 407 गांवों में सुनियोजित विकास कराएगा। इन गांवों के लोगों को भू–उपयोग के अनुसार ही अपने भवन निर्माण कराने से पहले मानचित्र स्वीकृत कराना होगा। पहली बार वर्ष 1980 से 2001 के बीच महायोजना लागू हुई। इसका नाम महायोजना–2001 रखा गया। इसमें नगर पालिका अलीगढ़ (उस वक्त नगर निगम नहीं बना था) के साथ ही शहर के आठ किलोमीटर के दायरे वाले 203 गांव व हरदुआगंज नगर पंचायत को शामिल किया गया। वर्ष 2001 से 2021 के बीच दूसरी महायोजना लागू हुई। अब तीसरी महायोजना 2031 लागू हो चुकी है। इस बीच लागू हुई तीन महायोजनाओं में जिला पंचायत के दखल के कारण एडीए इन गांवों में कई काम नहीं करा पाया था, लेकिन इस बार यह समस्या दूर हो चुकी है। एडीए उपाध्यक्ष अपूर्वा दुबे ने बताया कि पहली बार महायोजना में 407 गांव नियोजित किए गए हैं। यहां सुनियोजित विकास हो सकेगा। यहां के लोगों को अब भू–उपयोग के अनुसार ही भवन आदि का मानचित्र स्वीकृत कराना होगा। उन्होंने कहा कि रामघाट रोड पर अब तक एक पट्टी व्यवसायिक (एडीए कार्यालय की ओर) व दूसरी आवासीय (ओएलएफ की ओर) थी। इस वजह से विपरीत भू–उपयोग के लिए एडीए से मानचित्र स्वीकृत ही नहीं कराया जा सकता था। पूर्व में काफी अवैध निर्माण इसी कारण से हो गए थे। अब नई महायोजना में मिश्रित भू–उपयोग होने से पुराने निर्माण के नक्शे भी स्वीकृत हो सकेंगे। बाजार स्ट्रीट योजना के लिए न्यूनतम 24 मीटर चौड़ा रोड अनुमन्य होता है, लेकिन अलीगढ़ में 18 मीटर चौड़ा रोड अनुमन्य किया गया है।

हत्या कर युवक का शव नदी किनारे फेंका

शामली, संवाददाता। गांव किवाना के जंगल में हत्या कर युवक का शव फेंक दिया गया। मंगलवार की सुबह नदी के किनारे युवक का शव पड़ा मिला। शव के गले पर चोट के निशान मिले हैं। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। एसपी ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। मंगलवार को थाना क्षेत्र के गांव किवाना में दिन निकलते ही जंगल में नदी के किनारे एक 25 वर्षीय युवक का शव किसानों को पड़ा दिखाई दिया। किसानों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। बताया कि हत्या कर किसी का शव नदी किनारे फेंका गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एसपी अभिषेक, एडिशनल एसपी संतोष कुमार सिंह, क्षेत्राधिकार अमरदीप मौर्य पुलिस बल के साथ घटना पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक युवक के शव की जांच पड़ताल की। युवक के गले में चोट के निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि युवक के गले में फंदा लगाकर हत्या कर शव फेंका गया है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । एसपी सहित फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर सैंपल लेकर सबूत जुटाए। एसपी अभिषेक ने घटना को गंभीरता से लेते हुए टीम गठित कर घटना का खुलासा करने के भी निर्देश दिए हैं। एसपी अभिषेक का कहना है कि मृतक युवक के गले में चोट के निशान मिले हैं। प्रथम जांच में युवक की हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका लग रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

युवक के आसपास के जिले का होने की आशंका

पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए बागपत, मुजफ्फरनगर और आसपास जिलों की पुलिस को भी सोशल मीडिया के माध्यम से मैसेज भेजा है। पुलिस को आशंका है कि मृतक बागपत, मुजफ्फरनगर या या फिर आसपास का हो सकता है। क्योंकि बागपत के भी काफी संख्या में लोग नदी के पास से होकर ही जाते हैं। पुलिस जांच में जुट गई है कि आखिरकार किसने हत्या कर शव को यहां पर लाकर डाला है। पुलिस आसपास किवाना के आसपास क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

लोवर– टी शर्ट पहने हुए हैं मृतक

पुलिस के अनुसार, मृतक मलमैले सलीटे कलर की टीशर्ट और लाइट सलेटी कलर का लोवर पहने हुए हैं। शरीर पर गर्दन के अलावा कोई भी निशान नहीं है। पैरों में चप्पल और जूते कुछ भी नहीं है।

एसओजी को भी लगाया

मामले के खुलासे के लिए एसपी ने पुलिस के अलावा एसओजी और सर्विलांस को भी लगाया है, ताकि मामले का जल्द से जल्द खुलासा हो सके।

चार्जिंग करते समय स्कूटी में आग लगी, लाखों का नुकसान

सहारनपुर, संवाददाता। धर्मपुर सरावगी गांव में चार्जिंग करते समय स्कूटी में आग लग गई। आग से घर में खड़ी दो अन्य बाइकों समेत लाखों रुपये का सामान भी जलकर नष्ट हो गया। वहीं, आग बुझाते उसकी चपेट में आकर चार लोग बुरी तरह से झुलस गए। घायलों को देवबंद सीएचसी में भर्ती कराया। घटना मंगलवार सुबह करीब 4:00 बजे इंतजार पुत्र पप्पू के घर में हुई। घर में धुआं फैलने से जब दम घुटने लगा तो इंतजार की आंख खुल गई। उसने देखा कि घर में रखे सामान में आग की लपटे उठ रही थीं। इंतजार ने परिवार के अन्य सदस्यों को भी जगाया और आग बुझाने में जुट गए। आग की चपेट में आकर इंतजार उसकी पत्नी हिना, खुशी व आहान गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं आग लगने से इलेक्ट्रिक स्कूटी, दो बाइक, फ्रिज, कूलर सीलिंग फैन, बेड गद्दे आदि सामान जलकर नष्ट हो गया है। घटना के बाद आसपास के लोगों ने मुश्किल से आग पर काबू पाया। साथ ही घायलों को उपचार के लिए पहले निजी चिकित्सक और उसके बाद देवबंद सीएचसी में भर्ती कराया। वहीं आगजनी की सूचना मिलते ही नायाब तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आंकलन किया।

फेरों से ठीक पहले दूल्हे को भेजा दुल्हन का आपत्तिजनक फोटो–वीडियो

अमरोहा, संवाददाता। अमरोहा के आदमपुर क्षेत्र बरात चढ़त के बाद फेरों से ठीक पहले दूल्हे के मोबाइल पर दुल्हन का आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भेज दिया गया। जिसे देखकर दूल्हे ने शादी से इनकार कर दिया। पंचायत होने के बाद भी दूल्हा राजी नहीं हुआ। बिना दुल्हन के बरात वापस लौट गई। दुल्हन के पिता ने वीडियो भेजने वाले युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। यह घटना आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव की है। बताते हैं कि मंगलवार की शाम को किसान की बेटी की शादी थी। थाना क्षेत्र के एक गांव से बरात आई हुई थी। बरात होने के बाद फेरों की तैयारी की जा रही थी। दूसरी तरफ दावत भी चल रही थी। इस दौरान गांव के ही एक युवक ने दूल्हे के मोबाइल व्हाट्सएप पर दुल्हन का आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भेज दिया। जिसे देखकर दूल्हे के होश उड़ गए और उसने शादी करने से इनकार कर दिया। इस बात की जानकारी होने पर लड़की पक्ष के लोगों के हाथ पैर फूल गए। उन्होंने बिचौलिया व अन्य रिश्तेदारों के माध्यम से दूल्हे को मानने के तमाम प्रयास किए, लेकिन दूल्हा शादी करने के लिए राजी नहीं हो पाया। इसके बाद बिना दुल्हन लिए ही बरात वापस लौट गई। उधर, घटना के बाद दुल्हन के पिता ने थाने पहुंचकर गांव के ही युवक के खिलाफ आपत्तिजनक फोटो डालने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। सीओ दीप कुमार पंत का कहना है कि मामले में तहरीर के आधार पर गांव के ही युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जल्दी आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

बारिश में गिरी मकान की छत के मलबे में दबकर महिला की मौत, 24 घंटे बाद मिला शव

बिजनौर, संवाददाता। बारिश थम चुकी है, गंगा और मालन का जलस्तर गिरावट की ओर है। मगर आफत अब तक बनी है। बारिश की वजह से गिरे एक मकान की छत गिरने से मलबे में दबकर एक महिला की मौत हो गई। 24 घंटे बाद महिला के शव को तलाशा जा सका। उधर धारा, बनैली और फीका नदी में डैम से पानी छोड़े जाने की वजह से उफान है। वहीं चरने गए 10 पशुओं की मौत पीली बांध की दलदल में फंसने हो गई। खादर इलाकों में चारे का संकट गहराया हुआ है। इससे पशुपालक परेशान हैं। मंडावर के मोहल्ला फरासटोली निवासी शबरा 60 वर्ष पत्नी रियाजूदिन सोमवार की सुबह से घर से लापता थी। जिसे इधर उधर तलाश किया गया। मंगलवार को परिवार वालों ने घर के पास लगे सीसी टीवी कैमरे खंगाले। जिसमें महिला पास के ही एक मकान में जाते हुए दिखाई दे रही है। जोकि वापस नहीं लौटी। परिवार वालों ने उस मकान में जाकर देखा तो महिला का शव मकान की रसोई के अंदर मलवे में दबा पड़ा मिला। जिसकी छत बारिश की वजह से गिरी थी। बताया गया कि उक्त मकान उनके पड़ोसी ईजाज का है। जोकि काफी समय से परिवार के साथ दिल्ली में रहता है। उक्त मकान की देखरेख की जिम्मेदारी मृतक महिला के परिवार को दे रखी थी। सोमवार की सुबह शाबरा उक्त बंद मकान का ताला खोल कर रसोई में रखी मच्छरदानी उठाने गई थी। इसी दौरान बारिश के कारण रसोई की छत भरभरा कर शाबरा के ऊपर गिर गई। जिसमे शाबरा की मौत हो गई। परिजनों ने बिना कार्रवाई शव को सुपुर्द ए खाक कर दिया। अफजलगढ़ क्षेत्र की धारा, बनैली, फीका और रामगंगा नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।